Visit our APP

यूपीएससी प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा का पाठ्यक्रम

DECODED

C M MISHRA

HINDI

सत्यमेव जयते

UPSC

137, ZONE 2 MP NAGAR, BHOPAL
90982-00428

Rudra's IAS

UPSC Syllabus 2025 DECODE

The first stage of the exam, i.e., the Civil Services Preliminary Exam. Preliminary Exam is only a screening test and is conducted to shortlist candidates for the Main Examinaion.

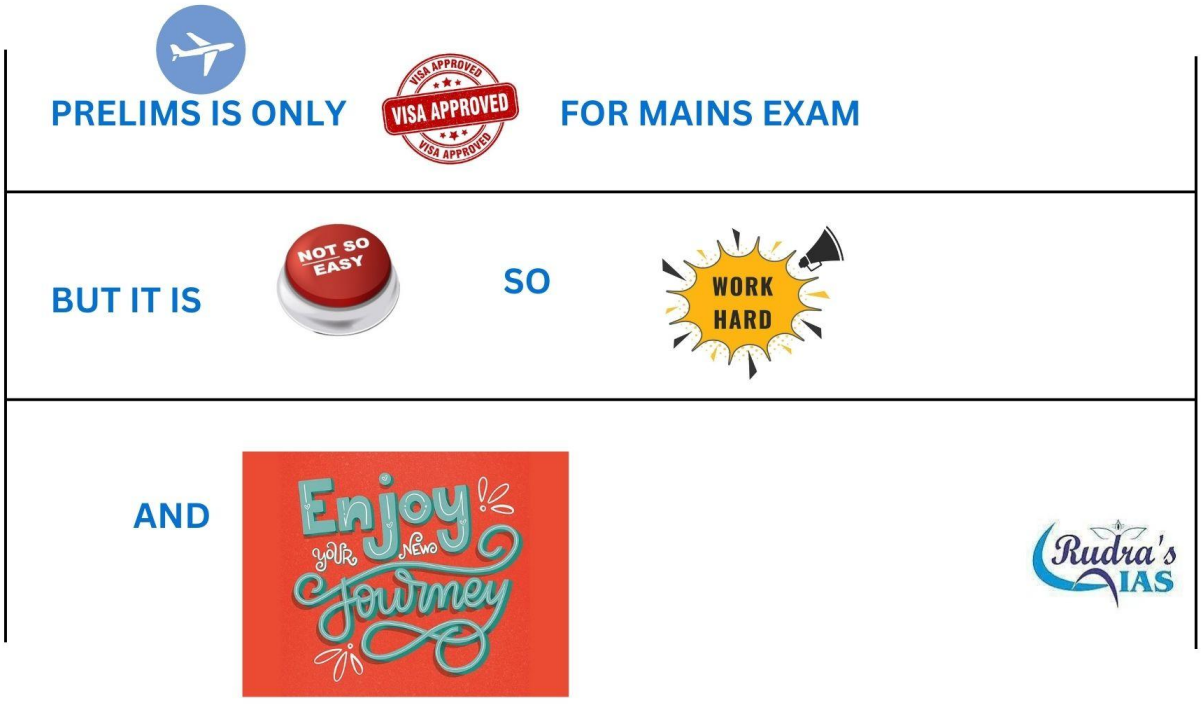

PRELIMS EXAM HAS 2 COMPULSORY OBJECTIVE (MCQ) TYPE PAPERS

200 EACH PAPER

PRE GS 1 CUTOFF OF LAST 5 YRS OUT OF 200 MARKS

CATEGORY	2023	2022	2021	2020	2019
General	75.41	88.22	87.54	92.51	98
OBC	74.75	87.54	89.12	89.12	95.34
ST	47.82	69.35	70.71	68.71	77.34
SC	59.25	74.08	75.41	74.84	82
PWD 1	40.4	49.84	68.02	70.06	53.34
PWD 2	47.13	58.59	67.33	63.94	44.66
PWD 3	40.4	40.4	43.09	40.82	61.34
PWD 5	33.68	41.76	45.8	42.86	61.34
EWS	68.02	82.83	80.14	77.55	90

PAPER 2 (CSAT) IS QUALIFYING

Qualifying Marking

Total Marks 200

Qualifying Marks 33%, i.e 66

Negative Marking ⊗

1/3rd marks of i.e. 0.83 marks each question

Rudra's IAS

SYLLABUS OF UPSC PRE

❖ इतिहास

भारत में प्रागैतिहासिक संस्कृतियाँ		
सिंधु घाटी सभ्यता		
वैदिक काल: आर्य और उनकी बस्तियाँ		
महाजनपद		
जैन धर्म और बौद्ध धर्म का उदय		
मौर्य वंश: प्रशासन, अर्थव्यवस्था, अशोक का धम्म		
मौर्योत्तर काल: इंडो-यूनानी, शक, कुषाण		
गुप्त युग: प्रशासन, अर्थव्यवस्था, साहित्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी		
गुप्त युग के दौरान क्षेत्रीय राज्य		
प्रारंभिक मध्यकाल: पाल, सेना, प्रतिहार, राष्ट्रकूट		
दिल्ली सल्तनत का काल: गुलाम वंश, खिलजी वंश, तुगलक वंश, सैय्यद और लोधी राजवंश		
विजयनगर साम्राज्य, बहमनी साम्राज्य		
क्षेत्रीय राज्य और उनका प्रशासन		
मुगल साम्राज्य: स्थापना, प्रशासन,		
मराठों का पतन: उत्थान, प्रशासन, पेशवा		
दक्षिण भारतीय राज्य: राष्ट्रकूट, चोल, चेर, होयसल, पांड्य, काकतीय		
भारत में यूरोपीय प्रवेश: पूर्ववर्ती घटनाएँ, उपनिवेशीकरण, गवर्नर जनरल और वायसराय		

ब्रिटिश नीतियाँ और उनका प्रभाव: राजस्व प्रणाली, स्थायी बंदोबस्त, रैयतवाडी, महालवाडी प्रणाली		
अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह और प्रमुख विद्रोह: 1857 का विद्रोह और महत्वपूर्ण आंदोलन		
सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन: ब्रह्मो समाज, आर्य समाज, थियोसोफिकल सोसायटी		
राष्ट्रीय आंदोलन: भारतीय राष्ट्रवाद का उदय, कांग्रेस का गठन, स्वदेशी आंदोलन, होम रूल आंदोलन, गांधीवादी युग, असहयोग, सविनय अवज्ञा आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन		
संवैधानिक विकास: 1909, 1919, 1935 के अधिनियम और भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947		

❖कला और संस्कृति

वास्तुकला		
मूर्तिकला		
चित्रकारी		
मिट्टी के बर्तन		
परंपरा		
मुद्राशास्त्र		
प्रदर्शन कला		
धर्म और साहित्य		
राष्ट्रीय और क्षेत्रीय त्यौहार		

❖ राजव्यवस्था

भारत का संविधान		
ऐतिहासिक पृष्ठभूमि		
प्रारूप समिति और संविधान का निर्माण		
प्रस्तावना		
संविधान की विशेषताएँ		
संघ और उसका क्षेत्र		
नागरिकता		
मौलिक अधिकार		
राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत		
मौलिक कर्तव्य		
संविधान में संशोधन		
मूल संरचना सिद्धांत		
सरकारी संरचना		
राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद संसद: संरचना, कार्य और प्रक्रियाएँ		
राज्य सरकार:		
राज्यपाल,		
मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद		
राज्य विधानमंडल:		

संरचना, कार्य और प्रक्रियाएँ		
स्थानीय सरकार:		
पंचायती राज संस्थाएँ, नगर पालिकाएँ संघ राज्य क्षेत्र और विशेष क्षेत्र		
न्यायपालिका		
सर्वोच्च न्यायालय: अधिकार क्षेत्र और शक्तियाँ		
उच्च न्यायालय: अधिकार क्षेत्र और शक्तियाँ		
अधीनस्थ न्यायालय		
न्यायिक समीक्षा		
न्यायिक सक्रियता		
संघीय संरचना		
संघवाद: केंद्र-राज्य संबंध		
अंतर-राज्य संबंध		
आपातकालीन प्रावधान		
संवैधानिक निकाय:		
चुनाव आयोग, यूपीएससी, राज्य पीएससी		
गैर-संवैधानिक निकाय:		
नीति आयोग, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), आदि। राजनीतिक गतिशीलता		
राजनीतिक दल:		
राष्ट्रीय और क्षेत्रीय चुनाव और चुनावी सुधार		
जनप्रतिनिधित्व अधिनियम		

दलबदल विरोधी कानून		
दबाव समूह		
जनमत और मीडिया शासन		
सुशासन अवधारणाएँ		
ई-गवर्नेंस		
पारदर्शिता और जवाबदेही:		
आरटीआई,		
नागरिक चार्टर		
सार्वजनिक नीतियां		
कमजोर वर्गों, एससी/एसटी, महिलाओं, बच्चों, अल्पसंख्यकों आदि के कल्याण के लिए संस्थाएं और निकाय		
सामाजिक न्याय		
कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं		
कमजोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थान और निकाय		
अंतर्राष्ट्रीय संबंध		
महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एजेंसियां		

❖भूगोल

सामान्य भूगोल		
ब्रह्मांड		
पृथ्वी का विकास		
जैवभूगोल		
मिट्टी की विशेषताएँ		
वनस्पति संसाधन		
भू-आकृति विज्ञान		
पृथ्वी का आंतरिक भाग		
भूविज्ञान और चट्टान प्रणाली		
भू-आकृति प्रक्रिया		
भूकंप और ज्वालामुखी		
महाद्वीपों और महासागरों का वितरण		
भू-आकृतियाँ और उनका विकास		
दुनिया भर में भू-आकृतियाँ		
समुद्र विज्ञान		
जलमंडल		
पनडुब्बी राहत विशेषताएँ		
तापमान और लवणता		
लहरें, महासागर, धाराएँ,		

ज्वार		
समुद्री संसाधन		
महासागर, जमा और प्रवाल		
जलवायु विज्ञान		
वायुमंडल		
तापमान का व्युत्क्रमण		
सूर्यातप और ताप बजट		
वायु द्रव्यमान, वाताग्र, चक्रवात और जेट स्ट्रीम		
पवन और दाब बेल्ट		
वर्षा		
विश्व के जलवायु क्षेत्र		
मानव और आर्थिक भूगोल		
जनसांख्यिकी और जनगणना		
मानव विकास		
आर्थिक गतिविधियाँ		
परिवहन और संचार		
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौता		
भारतीय भूगोल		
भारत की भौतिक संरचना		
जल निकासी प्रणाली		
जलवायु		

भारत में मिट्टी		
प्राकृतिक वनस्पति		
जनसंख्या बस्तियाँ और शहरीकरण		
भूमि संसाधन		
खनिज संसाधन		
ऊर्जा संसाधन		
कृषि और बुनियादी शब्दावली		
कृषि में हालिया विकास		
फसलों की उत्पादकता		
उद्योग		
परिवहन		
उद्योग और परिवहन में हालिया विकास		
विश्व क्षेत्रीय भूगोल		
महाद्वीप, देश और शहर समाचार में स्थान		

❖ पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण

जीवन रूपों की उत्पत्ति		
पारिस्थितिकी की मूल अवधारणाएँ		
पारिस्थितिकी तंत्र कार्य जनसंख्या		
पारिस्थितिकी		
प्रजातियों का अनुकूलन और अंतःक्रियाएँ		

स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र		
जलीय पारिस्थितिकी तंत्र		
पोषक चक्रण		
जैव विविधता		
जैव विविधता की मूल बातें		
पशु और पौधों की विविधता		
जैव विविधता के लिए खतरे		
जैव विविधता संरक्षण		
मुहाना मैंग्रोव प्रवाल भित्तियाँ आर्द्रभूमि संसाधन		
क्षरण और प्रबंधन पर्यावरण प्रदूषण		
जलवायु परिवर्तन पर्यावरण शासन		

❖ अर्थव्यवस्था

मैक्रोइकॉनॉमिक अवधारणाएँ		
आर्थिक मापन		
राष्ट्रीय आय और इसकी गणना		
आर्थिक वृद्धि और विकास		
मुद्रास्फीति		
धन कार्य और वर्गीकरण		
वित्तीय बाजार और इसके उपकरण		
भारत में बैंकिंग संरचना		

बजट निर्माण		
राजकोषीय नीति		
भारत में कर संरचना		
भारत में नियोजन		
नीति आयोग		
विदेशी व्यापार		
अंतर्राष्ट्रीय संगठन		
व्यापार समझौते		
गरीबी, रोज़गार और बेरोज़गारी		
सरकारी योजनाएँ और कार्यक्रम		

❖सामान्य विज्ञान

अंतरिक्ष आईटी और संचार	❖	❖
सामग्री,		
नैनो प्रौद्योगिकी, और रोबोटिक्स		
रक्षा		
परमाणु प्रौद्योगिकी		
जैव प्रौद्योगिकी		
बौद्धिक संपदा अधिकार और अन्य विविध मुद्दे		

Rudra's IAS

IMPORTANT POINTS FOR BEGINNERS

1. पाठ्यक्रम समझें

❖ तैयारी से पहले UPSC का पूरा सिलेबस प्रिंट निकालकर ध्यान से पढ़ें।

2. NCERT से शुरुआत करें

❖ वैचारिक स्पष्टता के लिए NCERT को व्यवस्थित रूप से पढ़ें व संशोधित करें।

3. पुस्तक सूची से न डरें

❖ एक साल पर्याप्त है GS और वैकल्पिक विषयों को कवर करने के लिए।

4. चयनात्मक पढ़ाई करें

❖ जहाँ ज़रूरी हो, वहाँ पूरी किताब नहीं, सिर्फ़ महत्वपूर्ण हिस्से पढ़ें।

5. पिछले प्रश्न पत्र देखें

❖ UPSC की प्रश्न प्रवृत्ति समझने के लिए पिछले 5 वर्षों के पेपर देखें।

6. एक विषय – एक स्रोत

❖ एक ही टॉपिक के लिए एक विश्वसनीय स्रोत से पढ़ें, बार-बार न दोहराएं।

7. इंटरनेट का उपयोग करें

❖ कठिन विषयों के लिए यूट्यूब (PMFIAS, शास्त्रीय नृत्य आदि) का सहारा लें।

8. कोचिंग नोट्स पूरक हैं

❖ कोचिंग नोट्स मददगार हैं, लेकिन मानक पुस्तकों (जैसे लक्ष्मीकांत) को न छोड़ें।

9. करंट अफेयर्स ज़रूरी हैं

❖ हर विषय के साथ-साथ संबंधित समसामयिक घटनाएँ भी पढ़ें।

10. रिवीजन करें

❖ बार-बार दोहराना ज़रूरी है, नहीं तो पढ़ा हुआ भूल जाएगा।

11. स्रोत नहीं, समझ जरूरी

❖ सफलता का आधार है अवधारणाओं की स्पष्टता और पाठ्यक्रम पर पकड़, चाहे स्रोत कोई भी हो।

यूपीएससी सिविल सेवा के लिए संपूर्ण पुस्तक सूची – प्रारंभिक परीक्षा (पेपर I)

राजनीति

1. लक्ष्मीकांत द्वारा भारतीय राजनीति

अर्थव्यवस्था

1. रमेश सिंह द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था

2. Mrunal.org लेख

3. समष्टि अर्थशास्त्र – NCERT कक्षा XII

4. भारतीय आर्थिक विकास – NCERT कक्षा XI

5. आर्थिक सर्वेक्षण (प्रारंभिक परिप्रेक्ष्य से चयनात्मक पठन)

6. द हिंदू

7. अवधारणाओं को समझने के लिए इंटरनेट (आर्थपेडिया, गूगल, यूट्यूब)

भारत का प्राचीन इतिहास

1. आरएस शर्मा द्वारा पुराना NCERT

भारत का मध्यकालीन इतिहास

1. सतीश चंद्र द्वारा पुराना NCERT (चयनात्मक पठन)

आधुनिक इतिहास

1. आधुनिक भारत का संक्षिप्त इतिहास- स्पेक्ट्रम प्रकाशन

2. स्वतंत्रता के लिए भारत का संघर्ष – बिपन चंद्र (चयनात्मक पठन)

3. बिपन चंद्र द्वारा NCERT (1700 से 1857 की अवधि के लिए)

भारतीय कला और संस्कृति

1. भारतीय कला का परिचय – कक्षा XI NCERT

2. संबंधित अध्याय प्राचीन और मध्यकालीन भारत में संस्कृति के बारे में NCERTs

3. सांस्कृतिक संसाधन और प्रशिक्षण केंद्र (CCRT) सामग्री

4. विरासत शिल्प: भारत की जीवित शिल्प परंपराएँ -NCERT

पर्यावरण और जैव विविधता

1. शंकर IAS पुस्तक

सामान्य विज्ञान

1. सामान्य विज्ञान की पुस्तकें - IX और X मानक

2. द हिंदू (समाचारों में अक्सर उल्लिखित नवीनतम वैज्ञानिक शब्दों, खोजों और आविष्कारों के बारे में नोट करें और पढ़ें)

3. Google और YouTube

भूगोल

1. भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत XI NCERT

2. भारत: भौतिक पर्यावरण XI NCERT

3. मानव भूगोल के मूल सिद्धांत XII NCERT

4. भारत: लोग और अर्थव्यवस्था XII NCERT

5. प्रमाणपत्र भौतिक और मानव भूगोल: जीसी लेओंग

6. PMFIAS (जटिल विषयों को समझने के लिए उत्कृष्ट संसाधन)

7. Google और YouTube

सरकारी योजनाएँ

1. वेबसाइट सिविल्स डेली द्वारा सरकारी योजनाओं का संकलन

सामान्य ज्ञान (उदाहरण: वैश्विक समूह, रिपोर्ट, संस्थान, रैंकिंग आदि)

1. कोई भी कोचिंग सामग्री

2. गूगल

करंट अफेयर्स

1. द हिंदू

2. सिविल्स डेली

3. फोरमआईएएस

Rudra's IAS

यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा से निपटने की मानसिकता

☐ **नई चीज़ें न पढ़ें** – जो पहले पढ़ा है, उसी का रिवीजन करें। अंतिम प्रदर्शन इन्हीं दिनों की रिवीजन गुणवत्ता पर निर्भर करता है।

☐ **संतुलित रिवीजन करें –** किसी एक विषय में न अटकें। सभी विषयों को व्यवस्थित रूप से दोहराएँ।

☐ **कमज़ोर विषयों की चिंता न करें –** मजबूत विषयों से उसकी भरपाई की जा सकती है।

☐ **नींद ज़रूरी है –** परीक्षा से एक रात पहले कम से कम 7-8 घंटे की नींद लें।

☐ **CSAT को हल्के में न लें –** यह भी चयन में भूमिका निभा सकता है। गंभीरता से तैयारी करें।

☐ **पेपर सुलझाने की रणनीति अपनाएँ –** पहले राउंड में:

- पक्के उत्तर चिह्नित करें
- संदेह वाले गोल करें
- जिनमें जानकारी न हो, उन्हें छोड़ें दूसरे राउंड में संदेह वाले प्रश्नों पर अनुमान लगाएँ।

☐ **एक प्रश्न में न फँसें –** न आए तो आगे बढ़ें, बाद में वापस आएँ।

☐ **टारगेट 85-90 प्रश्न हल करने का रखें –** अनुमान बुद्धिमानी से लगाएँ।

☐ **परीक्षा हॉल में केवल पेपर पर ध्यान दें –** किताबें और रिवीजन पीछे छोड़ें। 100 प्रश्नों पर लेज़र फोकस रखें।

☐ **आत्मविश्वास बनाए रखें –** खुद से कहें: *"मैंने मेहनत की है, मैं सफल होऊँगा।"*

Rudra's IAS

यूपीएससी मेन्स सिलेबस डिकोड

- यूपीएससी मेन्स परीक्षा, सिविल सेवा परीक्षा का दूसरा चरण, एक लिखित, वर्णनात्मक परीक्षा है जिसमें नौ पेपर होते हैं।
- इनमें से दो पेपर क्वालिफाइंग प्रकृति के होते हैं (भारतीय भाषा और अंग्रेजी), जबकि शेष सात को अंतिम मेरिट रैंकिंग के लिए माना जाता है।
- पेपरों की संख्या: **9.**
- क्वालिफाइंग पेपर: भारतीय भाषा (पेपर ए) और अंग्रेजी (पेपर बी)।
- मेरिट-आधारित पेपर: निबंध, सामान्य अध्ययन (जीएस) पेपर **1-4**, और दो वैकल्पिक विषय पेपर।
- कुल अंक: **1750 (**मुख्य) + **275 (**साक्षात्कार) = **2025**।
- परीक्षा अवधि: प्रति पेपर **3** घंटे।
- क्वालिफाइंग अंक: उम्मीदवारों को प्रत्येक क्वालिफाइंग पेपर (पेपर ए और पेपर बी) में न्यूनतम **25%** अंक प्राप्त करने होंगे।
- वैकल्पिक विषय: अभ्यर्थी यूपीएससी द्वारा उपलब्ध कराई गई सूची में से एक वैकल्पिक विषय चुन सकते हैं।
- भाषा: अर्हक भाषा के पेपर को छोड़कर सभी पेपर भारतीय संविधान की **8**वीं अनुसूची में सूचीबद्ध किसी भी भाषा में लिखे जा सकते हैं।
- नकारात्मक अंकन: यूपीएससी मुख्य परीक्षा में कोई नकारात्मक अंकन नहीं है।

UPSC CSE Exam Pattern – Mains			
पेपर	विषय	समय	कुल अंक
Paper A	अनिवार्य भारतीय भाषा	3 hours	300
Paper B	अंग्रेजी	3 hours	300
Paper I	निबंध	3 hours	250
Paper II	सामान्य अध्ययन I	3 hours	250
Paper III	सामान्य अध्ययन II	3 hours	250
Paper IV	सामान्य अध्ययन III	3 hours	250
Paper V	सामान्य अध्ययन IV	3 hours	250
Paper VI	वैकल्पिक I	3 hours	250
Paper VII	वैकल्पिक II	3 hours	250

पेपर 1- भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व और समाज का इतिहास और भूगोल

भारतीय संस्कृति निम्नलिखित विषयों को कवर करेगी-

भारतीय चित्रकारी			
भित्ति चित्र			
लघु चित्रकारी			
मुगल, राजपूत, पहाड़ी चित्रकारी			
भारत में नृत्य			
शास्त्रीय नृत्य रूप			
लोक नृत्य रूप			
आधुनिक नृत्य			
संगीत			
शास्त्रीय संगीत			
लोक संगीत			
मिट्टी के बर्तन			
गेरू रंग के मृदभाण			
ओकरे कलर्ड पोटरी (OCP)			
ब्लैक रेड वेयर (BRW)			
पॉलिश ग्रे वेयर (PGW)			
उत्तरी ब्लैक पॉलिश वेयर (NBPW)			
चमकीले और बिना चमक वाले बर्तन			
नाटक/रंगमंच			

शास्त्रीय संस्कृत रंगमंच			
क्षेत्रीय रंगमंच			
आधुनिक रंगमंच			
मार्शल आर्ट			
थांग ता गतका			
कलारीपयट्टू			
मल्लखंब			
सिलंबम			
मूर्तिकला			
हड़प्पा सभ्यता में मूर्तिकला			
मौर्य युग में मूर्तिकला			
मौर्योत्तर काल की मूर्तिकला			
जैन मूर्तिकला			
बौद्ध मूर्तिकला			
गुप्त मूर्तिकला			
मध्यकालीन मूर्तिकला स्कूल			
आधुनिक भारतीय मूर्तिकला			
भक्ति और सूफी आंदोलन			
भक्ति और सूफी आंदोलनों का प्रसार			
भक्ति साहित्य की महिला कवियित्री			
शास्त्रीय संस्कृत साहित्य			

वेद, उपनिषद, पुराण			
कौटिल्य, कालिदास, विशाखदत्त आदि द्वारा रचित ग्रन्थ			
प्राचीन बौद्ध साहित्य			
प्राचीन जैन साहित्य			
द्रविड़ साहित्य (जैसे संगम काल)			
मध्यकालीन साहित्य			
आधुनिक भारतीय साहित्य			
भारत में वास्तुकला			
हड़प्पा वास्तुकला			
मौर्य वास्तुकला			
मौर्योत्तर काल			
गुप्त काल			
मंदिर वास्तुकला की विविध शैलियाँ			
नागर शैली			
द्रविड़ शैली			
वेसर शैली			
गुफा वास्तुकला			
बौद्ध गुफा			
जैन गुफाएँ			
गुप्त काल की गुफाएँ			

मध्यकालीन और इंडो-इस्लामिक वास्तुकला			
दिल्ली सल्तनत की वास्तुकला			
मुगल वास्तुकला			
राजपूत वास्तुकला			
इंडो-गॉथिक वास्तुकला			
भारतीय वास्तुकला के विकास में बौद्ध धर्म और जैन धर्म का योगदान			
रॉक कट वास्तुकला			
धर्म			
भारतीय दर्शन के संप्रदाय			
बौद्ध धर्म			
जैन धर्म			

अठारहवीं शताब्दी के मध्य से लेकर वर्तमान तक का आधुनिक भारतीय इतिहास- महत्वपूर्ण घटनाएँ, व्यक्तित्व, मुद्दे।

स्वतंत्रता संग्राम- इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से महत्वपूर्ण योगदानकर्ता/योगदान।

1857 से पहले आधुनिक इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ			
बाद के मुगल 18वीं सदी में क्षेत्रीय शक्तियाँ			
कर्नाटक युद्ध			
प्लासी और बक्सर की लड़ाई			
एंग्लो-मैसूर युद्ध			
एंग्लो पंजाब युद्ध			
भारत में यूरोपीय कम्पनियों का आगमन			

भारत पर अंग्रेजों की विजय			
ब्रिटिश नीतियाँ और उनके सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक प्रभाव			
सामाजिक-सांस्कृतिक सुधार आंदोलन			
1857 से पहले अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह			
1857 का विद्रोह			
कारण, नेता, विद्रोह की प्रकृति, दमन और विद्रोह के परिणाम			
भारत शासन अधिनियम 1858			
भारत में राष्ट्रवाद का विकास (1858-1905)			
देश का राजनीतिक, आर्थिक और प्रशासनिक एकीकरण			
राष्ट्रवाद के विकास में पश्चिमी शिक्षा की भूमिका			
राष्ट्रवाद के विकास में प्रेस की भूमिका			
भारत के अतीत की पुनर्खोज			
प्रारंभिक राजनीतिक आंदोलन			
कांग्रेस का गठन			
उदारवादियों का युग			
उग्रवादी राष्ट्रवाद और क्रांतिकारी गतिविधियों का विकास (1905-1918)			
स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन			
सूरत विभाजन			
मोर्ले-मिंटो सुधार			

सांप्रदायिकता का विकास			
जन राष्ट्रवाद की शुरुआत (1919-1939)			
महात्मा गांधी - उनके विचार और नेतृत्व			
मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार			
रॉलेट एक्ट, सत्याग्रह और जलियांवाला बाग हत्याकांड			
असहयोग और खिलाफत आंदोलन			
स्वराजवादी और अपरिवर्तनवादी नई ताकतों का उदय - समाजवादी विचार			
ट्रेड यूनियनवाद			
क्रांतिकारी गतिविधि			
साइमन कमीशन और नेहरू रिपोर्ट			
सविनय अवज्ञा आंदोलन			
गोलमेज सम्मेलन			
सांप्रदायिक पुरस्कार और पूना समझौता			
केंद्रीय विधानमंडल (1934) और प्रांतीय विधानसभाओं के चुनावों में भागीदारी (1937)			
भारत शासन अधिनियम, 1935			
स्वतंत्रता और विभाजन की ओर (1939-1947)			
द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान राष्ट्रीय आंदोलन			
अगस्त प्रस्ताव			
व्यक्तिगत सत्याग्रह			

भारत में सांप्रदायिकता का विकास			
किसान आंदोलन			
क्रिप्स मिशन			
भारत छोड़ो आंदोलन			
वेवेल योजना			
आईएनए और सुभाष चंद्र बोस			
कैबिनेट मिशन			

स्वतंत्रता के बाद देश के भीतर एकीकरण और पुनर्गठन।

राष्ट्र निर्माण			
विभाजन और उसके परिणाम			
देशी रियासतों का एकीकरण			
भारत में भाषाई क्षेत्रवाद			
राज्यों का पुनर्गठन			
राजभाषा का मुद्दा			
भारत - पाकिस्तान और भारत - चीन युद्ध			
परमाणु परीक्षण			
एकदलीय प्रभुत्व का युग			
विपक्षी दलों का उदय			
आपातकाल: लोकतांत्रिक व्यवस्था का संकट			

क्षेत्रीय दलों का उदय			
गठबंधन युग			
महिलाओं सशक्तिकरण और महिला आंदोलन			
नक्सलवाद			
विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की नीति			
भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर आर्थिक सुधार का प्रभाव			

विश्व के इतिहास में **18**वीं शताब्दी की घटनाएं शामिल होंगी, जैसे औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुनः सीमांकन, उपनिवेशीकरण, उपनिवेशवाद-विरोध, राजनीतिक दर्शन जैसे साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद आदि - उनके रूप और समाज पर प्रभाव।

आधुनिक विश्व में पुनर्जागरण			
औद्योगिक क्रांति			
अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम			
फ्रांसीसी क्रांति			
प्रथम विश्व युद्ध			
रूसी क्रांति			
सोवियत संघ का उदय			
लीग ऑफ़ नेशन्स			
प्रथम विश्व युद्ध के बाद यूरोप में - फासीवाद और नाजीवाद			
द्वितीय विश्व युद्ध			

उपनिवेशवाद का उन्मूलन और राष्ट्रीय सीमाओं का पुनर्निर्धारण			
द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप			
अमेरिका और सोवियत संघ के बीच शीत युद्ध			
साम्यवाद का प्रसार			
सोवियत संघ का पतन			
राजनीतिक दर्शन की अवधारणा, प्रकार और सामाजिक प्रभाव			
साम्यवाद			
पूंजीवाद			
समाजवाद			

भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएँ, भारत की विविधता। महिलाओं की भूमिका और महिला संगठन, जनसंख्या और उससे जुड़े मुद्दे, गरीबी और विकास संबंधी मुद्दे, शहरीकरण, उनकी समस्याएँ और उनके समाधान। भारतीय समाज पर वैश्वीकरण के प्रभाव। सामाजिक सशक्तिकरण, सांप्रदायिकता, क्षेत्रवाद और धर्मनिरपेक्षता।

भारत की एकता और विविधता			
भारतीय समाज की विशेषताएँ			
विविधता द्वारा उत्पन्न चुनौतियाँ			
महिला सशक्तिकरण			
महिला सशक्तिकरण में SHG, माइक्रो फाइनेंस संस्थान की भूमिका			
भारत की मूल जनसांख्यिकी			
भारत में जनसंख्या के रुझान और उनके निहितार्थ			

जनसंख्या आधिक्य के कारण और प्रभाव			
जनसंख्या विस्फोट की चुनौतियाँ			
जनसांख्यिकी लाभांश: भारत के लिए वरदान या अभिशाप			
भारत की जनसंख्या नीति और पहल			
गरीबी और विकास संबंधी मुद्दे			
विकास और गरीबी की अवधारणा			
गरीबी के प्रकार			
गरीबी रेखा का मापन			
गरीबी के कारण			
एक सामाजिक समस्या के रूप में गरीबी			
गरीबी के परिणाम			
गरीबी के दुष्चक्र की निरंतरता			
नगरीकरण			
नगरीकरण को बढ़ावा देने वाले कारक			
नगरीकरण से उत्पन्न चुनौतियाँ			
नगरीय क्षेत्रों की समस्याएँ			
नगरीकरण के सामाजिक परिणाम			
ग्रामीण क्षेत्रों में शहरीकरण का प्रभाव			
नगरीय नियोजन			
नगरीय नियोजन में नगरीय स्थानीय निकायों (यूएलबी) की भूमिका			

मलिन बस्तियों की समस्याएँ			
वैश्वीकरण - इसके विभिन्न आयाम			
भारतीय समाज पर वैश्वीकरण के प्रभाव			
वैश्वीकरण और संस्कृति			
वैश्वीकरण को बढ़ावा देने वाले कारक			
क्या वैश्वीकरण गरीबी को बढ़ावा देती है?			
सामाजिक सशक्तिकरण			
सामाजिक रूप से वंचित समूह			
सामाजिक सशक्तिकरण की अवधारणा			
सामाजिक सशक्तिकरण के आयाम			
सामाजिक सशक्तिकरण के लिए सरकारी प्रयास			
सांप्रदायिकता			
भारत में सांप्रदायिकता			
सांप्रदायिकता के परिणाम			
भारत में क्षेत्रवाद			
क्षेत्रवाद के कारण			
'भूमिपुत्रों' की अवधारणा			
क्षेत्रवाद के परिणाम			
संघवाद और क्षेत्रवाद			
क्षेत्रीय दलों की भूमिका			
धर्मनिरपेक्षता			

धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा			
धर्मनिरपेक्षता का भारतीय मॉडल			
भारत में धर्मनिरपेक्षता			
भारत में धर्मनिरपेक्षता के सामने आने वाली चुनौतियाँ			
समान नागरिक संहिता			

❖ **विश्व के भौतिक भूगोल की प्रमुख विशेषताएँ।**

❖ **विश्व भर में प्रमुख प्राकृतिक संसाधनों का वितरण (दक्षिण एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप सहित); विश्व के विभिन्न भागों (भारत सहित) में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों के स्थान के लिए जिम्मेदार कारक।**

❖ **महत्वपूर्ण भूभौतिकीय घटनाएँ जैसे भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखीय गतिविधि, चक्रवात आदि, भौगोलिक विशेषताएँ और उनके स्थान-महत्वपूर्ण भौगोलिक विशेषताओं (जल निकायों और बर्फ-टोपियों सहित) और वनस्पतियों और जीवों में परिवर्तन और ऐसे परिवर्तनों के प्रभाव।**

विश्व के भौतिक भूगोल की मुख्य विशेषताएं			
भूआकृति विज्ञान			
पृथ्वी की उत्पत्ति और विकास			
पृथ्वी की आंतरिक संरचना			
महाद्वीपों और महासागरों की प्लेट का वितरण			
विवर्तनिक सिद्धांत			
भूकंप और ज्वालामुखियों का वितरण			

चट्टानें और चट्टान चक्र			
भूआकृति प्रक्रियाएँ - अंतर्जात और बहिर्जात			
भूआकृतियाँ और उनका विकास			
भूवैज्ञानिक समय सारणी			
समुद्र विज्ञान			
महासागर तल विन्यास			
महासागरों का तापमान और लवणता			
महासागरों की गति - ज्वार, धाराएँ			
जलवायु विज्ञान			
पृथ्वी का वायुमंडल – संरचना			
सौर विकिरण, ऊष्मा बजट और तापमान			
वायुमंडलीय परिसंचरण और मौसम प्रणाली			
विश्व जलवायु वर्गीकरण			
मृदा भूगोल			
मृदा निर्माण की प्रक्रिया			
मृदा के प्रकार			
मृदा अपरदन और संरक्षण			
विश्व के प्रमुख प्राकृतिक संसाधनों का वितरण			
विश्व के वन संसाधन			
प्रकार और वितरण			
जल संसाधन			

समुद्री एवं मीठे पानी की कमी एवं संरक्षण की आवश्यकता एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन			
कृषि संसाधन			
खेती के प्रकार फसल पैटर्न अर्थव्यवस्था, रोजगार और उत्पादन में योगदान खाद्य सुरक्षा			
खनिज संसाधन			
खनिजों का वर्गीकरण – लौह एवं अलौह			
खनिजों की उपस्थिति			
ऊर्जा संसाधन			
ऊर्जा संसाधनों का वर्गीकरण – पारंपरिक एवं गैर-पारंपरिक			
ऊर्जा संसाधनों की उपलब्धता			
विश्व के विभिन्न भागों (भारत सहित) में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों की अवस्थिति के लिए उत्तरदायी कारक			
विश्व के प्रमुख उद्योगों का वितरण			
लौह और इस्पात, आईटी और सूती कपड़ा उद्योग			

❖ **महत्वपूर्ण भूभौतिकीय घटनाएं जैसे भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखीय गतिविधि, चक्रवात आदि, भौगोलिक विशेषताएं और उनके स्थान-महत्वपूर्ण भौगोलिक विशेषताओं (जल निकायों और हिम-टोपियों सहित) और वनस्पतियों और जीवों में परिवर्तन और ऐसे परिवर्तनों के प्रभाव**

भूकंप			
भूकंपीय तरंगें, भूकंप का मापन, भूकंप के प्रभाव			
सुनामी			
कारण, प्रभाव व सुनामी के प्रभाव को कम करने के उपाय			

ज्वालामुखी			
ज्वालामुखी के प्रकार			
ज्वालामुखी भू-आकृतियाँ			
ज्वालामुखियों का वितरण			
चक्रवात			
उष्णकटिबंधीय चक्रवात			
प्रति-चक्रवात			
अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवात			
जलवायु परिवर्तन			
कारण एवं प्रभाव			
जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपाय			
भारत का भौतिक भूगोल			
भारत की भौतिक संरचना			
जल अपवाह प्रणाली			
भारत में जलवायु मिट्टी			
प्राकृतिक वनस्पति			
मानव भूगोल			
जनसांख्यिकी एवं नगरीकरण			
आर्थिक भूगोल			
भारत में कृषि			
भारत में खनिज संसाधन			

भारत में ऊर्जा संसाधन			
भारत में उद्योग			
भारत में परिवहन और संचार			

Rudra's IAS

सामान्य अध्ययन-II

(शासन, संविधान, राजनीति, सामाजिक न्याय और अंतर्राष्ट्रीय संबंध)

❖ भारतीय संविधान-ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएँ, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना।

संवैधानिक विकास 1773 से 1947 तक			
संविधान सभा एवं संविधान निर्माण			
भारतीय संविधान की विशेषताये			
भारतीय संविधान की अन्य देशों के संविधान से तुलना।			
उद्देश्य संकल्प			
राष्ट्रपति बनाम संसदीय शासन प्रणाली			
संसदीय संप्रभुता और न्यायिक सर्वोच्चता का संश्लेषण			
संविधान संशोधन की प्रक्रिया			
महत्वपूर्ण संशोधनों की सूची और उनके प्रावधान			
मौलिक अधिकार			
राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत			
संविधान के मूल ढांचे का सिद्धांत निर्णय और मामले			

विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका

संघीय कार्यपालिका			
राष्ट्रपति			
प्रधानमंत्री			
मंत्रिपरिषद			
कैबिनेट सचिवालय			
राज्य स्तरीय कार्यपालिका			
राज्यपाल			
मुख्यमंत्री			
मंत्रिपरिषद			
सचिवालय			
संसद और राज्य विधानमंडल			
संरचना, कार्यप्रणाली, कार्य संचालन, शक्तियां और विशेषाधिकार			
भारत में न्यायपालिका			
न्यायपालिका का विकास			
त्रिस्तरीय संरचना			
सरकार के मंत्रालय और विभाग;			
कैबिनेट मंत्री			
अन्य मंत्री			
संसदीय सचिव			

संघीय ढांचे से संबंधित मुद्दे और चुनौतियाँ			
संघवाद			
भारत में संघीय संरचना - क्या भारत वास्तव में संघीय है?			
सहकारी और प्रतिस्पर्धी संघवाद			
संघ और राज्यों के बीच विषयों का वितरण			
7वीं अनुसूची			
विधायी कार्य			
वित्तीय कार्य			
प्रशासनिक कार्य			

केंद्र-राज्य संबंध			
विधायी संबंध			
प्रशासनिक संबंध			
वित्तीय संबंध			
अंतर-राज्य संबंध			
अंतर-राज्य परिषदें			
राज्यपाल की भूमिका			
विभिन्न आयोगों की रिपोर्ट - द्वितीय एआरसी, पुंछी, सरकारिया, आदि।			
स्थानीय स्तर तक शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसमें चुनौतियां।			

राज्य सरकार की भूमिका			
राज्य वित्त आयोग की भूमिका			
11वीं और 12वीं अनुसूची			
अप्रभावी प्रदर्शन के कारण			
पंचायत हस्तांतरण सूचकांक (नीति आयोग)			
शक्ति पृथक्करण का सिद्धांत			
भारतीय संविधान में शक्तियों का पृथक्करण			
नियंत्रण और संतुलन का सिद्धांत			
भारतीय संविधान में नियंत्रण और संतुलन के प्रावधान			
संबंधित निर्णय - गोलकनाथ मामला, केशवानंद भारती, इंदिरा गांधी बनाम राज नारायण, राम जवाया बनाम पंजाब			
विवाद निवारण तंत्र और संस्थाएँ।			
आरटीआई			
पीआईएल			
ट्रिब्यूनल, आदि।			
दबाव समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा राजनीति में उनकी भूमिका।			
जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएं			
संवैधानिक निकाय			
निर्वाचन आयोग			
संघ लोक सेवा आयोग			

राज्य लोक सेवा आयोग			
वित्त आयोग			
राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग			
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग			
भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए विशेष अधिकारी			
भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक			
भारत के अटॉर्नी जनरल			
राज्य के एडवोकेट जनरल			
वैधानिक, नियामक और विभिन्न अर्ध-न्यायिक निकाय।			
नीति आयोग			
आरबीआई			
राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग			
केंद्रीय सूचना आयोग			
केंद्रीय सतर्कता आयोग			
केंद्रीय जांच ब्यूरो			
लोकपाल और लोकायुक्त			
राष्ट्रीय महिला आयोग			
राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग			
राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग			
बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण			
भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड			

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग			
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण			
केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग			
परमाणु ऊर्जा विनियामक बोर्ड			
केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड			
भारतीय चिकित्सा परिषद			
भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण			
केंद्रीय भूजल प्राधिकरण			
नागरिक उड्डयन महानिदेशालय			
पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण			
भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण			
बार काउंसिल ऑफ इंडिया			
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग			
वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद			
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद			
राष्ट्रीय हरित अधिकरण			
प्रतिस्पर्धा अपीलीय अधिकरण			
आयकर अपीलीय अधिकरण			
साइबर अपीलीय अधिकरण			
बौद्धिक संपदा अपीलीय बोर्ड			

केंद्र सरकार की प्रमुख योजनायें			
बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ			
स्मार्ट सिटी			
स्वच्छ भारत अभियान			
मनरेगा			
डिजिटल इंडिया			
मेक इन इंडिया			
स्किल इंडिया			
पीएम जन धन योजना			
स्टार्ट-अप इंडिया आदि।			

❖ विकास प्रक्रियाएँ और विकास उद्योग - गैर सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न समूहों और संघों, दाताओं, धर्मार्थ संस्थाओं, संस्थागत और अन्य हितधारकों की भूमिका।

गैर-सरकारी संगठन			
गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका और प्रभाव			
मुद्दे : मान्यता, वैधता और जवाबदेही, विदेशी फंडिंग आदि			
स्वयं सहायता समूह			
स्वयं सहायता समूह के लाभ एवं समस्याएं			
केस स्टडीज़:			
कुदुम्बश्री (केरल),			

महिला आर्थिक विकास महामंडल (महाराष्ट्र) समितियाँ,			
ट्रस्ट और सहकारी समितियाँ			
ट्रस्ट धार्मिक बंदोबस्ती			
सहकारिता			
सहकारिता की आवश्यकता			
संवैधानिक प्रावधान			
राष्ट्रीय सहकारी नीति, 2002			
सहकारी क्षेत्र में मुद्दे और चुनौतियाँ			

❖ **केन्द्र और राज्यों द्वारा जनसंख्या के कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का निष्पादन; इन कमजोर वर्गों के संरक्षण और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थान और निकाय।**

इन योजनाओं का प्रदर्शन, इन कमजोर वर्गों के संरक्षण और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थान और निकाय:			
नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम 1955			
अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989			
राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग			
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग			
ट्राइफेड			
पेसा			

विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम			
ट्रांसजेंडर से जुडी समस्याएं			
अल्पसंख्यक			
राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग			
राष्ट्रीय धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यक आयोग			
महिलाएँ और बच्चे			
अनैतिक तस्करी (रोकथाम) अधिनियम			
महिलाओं का अभद्र चित्रण (रोकथाम) अधिनियम			
दहेज निषेध अधिनियम			
सती प्रथा (रोकथाम) अधिनियम			
बाल विवाह निषेध अधिनियम			
घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम			
किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम			
केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन एजेंसी (CARA)			
यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा (POCSO) अधिनियम			
कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण)			
गर्भाधान-पूर्व और प्रसव-पूर्व निदान तकनीक (पीसी और पीएनडीटी) अधिनियम			
लिंग बजट			
महिलाओं के लिए राष्ट्रीय नीति			

मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम			
बुजुर्गों का भरण-पोषण और माता-पिता तथा वरिष्ठ नागरिकों का कल्याण अधिनियम			

❖ **स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।**

भारत में स्वास्थ्य प्रणाली			
केन्द्रीय स्वास्थ संस्थान			
आयुष			
ग्रामीण स्वास्थ्य संरचना			
स्वास्थ्य बीमा			
राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण			
राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति			
मातृ एवं किशोर स्वास्थ्य			
बाल स्वास्थ्य			
भारत में साक्षरता की स्थिति			
भारत में आधुनिक शिक्षा का विकास			
भारत में शिक्षा संरचना			
भारत में शिक्षा क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियाँ- महिला शिक्षा, वंचित वर्ग के लिए शिक्षा			
तकनीकी शिक्षा			

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020			
कौशल विकास आधारित शिक्षा			
गरीबी और भूख से संबंधित मुद्दे			
गरीबी और भूख के कारण			
एमडीजी और एसडीजी			
खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा किये गए प्रयास			
राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, मध्याह्न भोजन योजना, मनरेगा आदि।			

❖ **शासन, ई-गवर्नेंस- अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएं, सीमाएं और संभावनाएं; नागरिक चार्टर, पारदर्शिता और जवाबदेही तथा संस्थागत और अन्य उपाय।**

शासन और प्रशासन में अंतर			
सुशासन की अवधारणा			
ई-गवर्नेंस			
सुशासन में ई-गवर्नेंस कि भूमिका			
ई-गवर्नेंस के अनुप्रयोग			
सरकार द्वारा हाल ही में की गई ई-गवर्नेंस पहल			
नागरिक चार्टर (सीसी)			
नागरिक चार्टर के घटक			
नागरिक चार्टर की विशेषताएँ			

नागरिक चार्टर के छह सिद्धांत			
सेवोत्तम मॉडल			
पारदर्शिता एवं जबावदेही			
प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के साधन			
❖ आरटीआई			
❖ सामाजिक अंकेक्षण			
❖ व्हिसलब्लोअर संरक्षण विधेयक			
❖ लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम			
भारत सिविल सेवायें			
सिविल सेवा का विकास			
नीति निर्माण में सिविल सेवको की परामर्शकारी भूमिका			
लोकतंत्र में सिविल सेवकों की जबावदेही			
सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन में सिविल सेवको की भूमिका			
सिविल सेवकों द्वारा प्रत्यायोजित कार्यों का निर्वहन			
सिविल सेवाओं से जुडी समस्यायें एवं समाधान			
भारत और उसके पड़ोसी- संबंध			
भारत के साथ संबंध			
चीन			
पाकिस्तान			
म्यांमार			
भूटान			

बांग्लादेश			
श्रीलंका			
अफगानिस्तान			
नेपाल			
मालदीव			
भारत से संबंधित और/या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह तथा समझौते			
भारत की विदेश नीति के प्रमुख सिद्धांत			
गुटनिरपेक्ष आंदोलन			
गुजराल डोक्ट्रिन			
लुक ईस्ट और एक्ट ईस्ट, थिंक वेस्ट आदि			
परमाणु अस्त्र उपयोग सिद्धांत			
प्रमुख शक्तियों के साथ द्विपक्षीय संबंध जैसे -			
यूएसए			
रूस			
जापान			
मध्य एशियाई देश			
पश्चिम एशियाई देश			
अफ्रीकी देश			
ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड			
यूरोपीय संघ और यूरोपीय देश			

लैटिन अमेरिकी देश			
प्रशांत देश			
क्षेत्रीय और वैश्विक समूह			
सार्क			
ब्रिक्स			
बीबीआईएन और बीसीआईएम			
बिम्सटेक			
आईबीएसए			
आसियान और आरसीईपी			
भारत-अफ्रीका फोरम			
एससीओ			
अश्गाबात समझौता			
एफआईपीआईसी			
आईओआर-एआरसी			
मेकांग गंगा सहयोग (एमजीसी)			
रायसीना डायलोग			
हार्ट ऑफ एशिया सम्मेलन			
पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन			
जी-20			
एशियाई विकास बैंक			
राष्ट्रीय सुरक्षा शिखर सम्मेलन			

बहुपक्षीय परमाणु निर्यात नियामक व्यवस्थाएँ:			
वासेनार,			
एमटीसीआर,			
ऑस्ट्रेलिया समूह			
एशियाई विकास बैंक			
एपीईसी, आदि			
विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का भारत के हितों पर प्रभाव,			
वन बेल्ट वन रोड			
अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा			
वैश्विक व्यापार युद्ध			
वैश्विक मुद्रा युद्ध			
संयुक्त राष्ट्र सुधार			
डब्ल्यूटीओ सुधार			
दक्षिण चीन सागर			
इजराइल फिलिस्तीन समस्या			
रूस युक्रेन समस्या			
भारतीय प्रवासी			
भारतीय प्रवासियों का प्रसार			
भारत की प्रवासी नीति			
ओसीआई			

प्रवासी भारतीय दिवस, भारत को जानें कार्यक्रम, आदि।			
प्रवासी भारतीयों पर एलएम सिंघवी समिति			
भारतीय प्रवासियों का भारत के विकास में योगदान			
दोहरी नागरिकता			
महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं			
संयुक्त राष्ट्र और उसकी एजेंसियां			
डब्ल्यूटीओ			
ब्रिक्स			
एशियन डवलपमेंट बैंक			
विश्व बैंक			
आईएमएफ			
विश्व आर्थिक मंच			
राष्ट्रमंडल राष्ट्र			

Rudra's IAS

सामान्य अध्ययन-III

(प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव-विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन)

भारतीय अर्थव्यवस्था और नियोजन से संबंधित मुद्दे			
भारतीय नियोजन का इतिहास			
नीति आयोग बनाम योजना आयोग			
भारतीय बैंकिंग			
आर बी आई			
मुद्रा प्रवाह और महगाई			
मौद्रिक नीति			
मुद्रा अवमूल्यन			
एनबीएफसी			
पूंजी बाजार			
सार्वजनिक ऋण का प्रबंधन			
विकास के लिए संसाधन जुटाने में चुनौतियाँ			
प्रत्यक्ष विदेशी निवेश			
संवृधि और विकास का अर्थ			
संवृधि और विकास के निर्धारक			
आर्थिक विकास का महत्व और सीमाएँ			
संतुलित और असंतुलित विकास			
विकास के आयाम			

विकास का मापन और संकेतक			
धारणीय विकास की अवधारणा			
विकास के दृष्टिकोण			
बाजार आधारित दृष्टिकोण			
नियोजित दृष्टिकोण			
मिश्रित अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण			
संवृधि और विकास की चुनौतियाँ			
रोजगार			
प्रकृति - ग्रामीण बनाम शहरी, औपचारिक बनाम अनौपचारिक			
रोजगार से संबंधित शब्द - श्रम बल भागीदारी दर, रोजगार दर, कार्यशील आयु जनसंख्या आदि।			
रोजगार का क्षेत्रीय वितरण			
रोजगार की गुणवत्ता			
रोजगार की कमी के कारण			
कार्यबल का पुनर्गठन			
रोजगार सृजन के लिए सरकारी पहल			
समावेशी विकास			
समावेशी विकास क्या है?			
समावेशी विकास के तत्व			
समावेशी विकास की आवश्यकता			
समावेशी विकास के संकेतक			

भारत में समावेशी विकास प्राप्त करने में चुनौतियाँ			
सार्वजनिक बजट निर्माण			
सरकारी बजट के घटक			
राजस्व घाटा			
राजकोषीय घाटा			
प्राथमिक घाटा			
एफआरबीएम अधिनियम			
घाटे में कमी के उपाय			
राजकोषीय नीति			
अन्य प्रकार के बजट - परिणाम, शून्य-आधारित			
भारत में कर प्रणाली			
भारत की प्रमुख फसलें			
देश के विभिन्न भागों में फसल पैटर्न			
फसल पैटर्न के प्रकार			
फसल पैटर्न को प्रभावित करने वाले कारक			
फसल पैटर्न में उभरते रुझान			
सिंचाई के विभिन्न प्रकार और सिंचाई प्रणालियाँ			
सिंचाई के स्रोत			
सिंचाई के परम्परागत एवं आधुनिक तरीके			
सिंचाई में भूजल दोहन के पर्यावरणीय प्रभाव			
राष्ट्रीय जल नीति की आवश्यकता			

कृषि उपज का भंडारण, परिवहन और विपणन तथा मुद्दे और संबंधित बाधाएं			
कृषि विपणन की प्रक्रिया			
कृषि उपज मूल्य निर्धारण नीति			
एफसीआई की भूमिका			
विनियमित बाजार			
कृषि उपज गोदाम			
सहकारी विपणन			
वर्तमान कृषि विपणन प्रक्रिया की कमियाँ			
एपीएमसी			
राष्ट्रीय कृषि बाजार (एनएएम)			
किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ)			
अनुबंध खेती			
कृषि वस्तुओं में वायदा कारोबार			
किसानों की सहायता के लिए ई-प्रौद्योगिकी			
कृषि सब्सिडी			
सब्सिडी के प्रकार- प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कृषि सब्सिडी			
सब्सिडी के समर्थन में तर्क			
सब्सिडी की प्रभावशीलता, विस्तार और समस्याएं			
डब्ल्यूटीओ समझौतों के साथ टकराव			

सार्वजनिक वितरण प्रणाली			
सार्वजनिक वितरण प्रणाली का उद्देश्य			
कार्यप्रणाली - उचित मूल्य की दुकानें, एफसीआई, राशन कार्ड, आधार लिंकिंग, आदि।			
सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़ी कमियां या समस्याएं			
पीडीएस से जुड़ी खामियों और कमियों को दूर करने के उपाय			
इस संबंध में सरकार द्वारा उठाए गए कदम			
बफर स्टॉक और खाद्य सुरक्षा के मुद्दे			
सरकारी खरीद और वितरण			
बफर स्टॉक में एफ सी आई तथा राज्यों की भूमिका			
खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013			
राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन			
खाद्य सुरक्षा से संबंधित अन्य सरकारी पहल			
खाद्य प्रसंस्करण			
खाद्य प्रसंस्करण की अवधारणा का विकास			
भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के विकास की संभावनाएं			
भारत में खाद्य प्रसंस्करण से सम्बंधित संसथान			
अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम आवश्यकताएँ			
खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे			
सम्पदा			
एपीडा			

भारत में भूमि सुधार			
भूमि सुधारों के घटक			
भूमि सुधारों के कार्यान्वयन में समस्याएँ			
भूमि सुधारों का प्रभाव			
भारत में हरित क्रांति			
भूमि अधिग्रहण से जुड़े मुद्दे			
भारतीय अर्थव्यवस्था का उदारीकरण			
भारत में आर्थिक उदारीकरण के विविध चरण			
उदारीकरण का अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों पर प्रभाव			
भारत की औद्योगिक नीति			
एसईज़ेड			
मेक इन इंडिया			
स्टार्ट-अप इंडिया			
भारत में आधारभूत संरचना विकास			
आधारभूत संरचना से संबधित परियोजनाओं के क्रियान्वयन में बाधा			
आधारभूत संरचना विकास हेतु सरकार द्वारा किये गए प्रयास			
पूंजी निवेश			
निवेश के स्रोत			
निवेश के प्रकार			
घरेलू निवेश मॉडल			
विदेशी निवेश			

निवेश के विविध मॉडल			

❖ Science and Technology

❖ Development of science and technoogy and their Applications and Effects in Everyday Life.

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ			
चंद्रशेखर वेंकट रमन			
आचार्य जगदीश चंद्र बोस			
सत्येन्द्र नाथ बोस			
मेघनाद साहा			
होमी जहांगीर भाभा			
सुब्रह्मण्यम चन्द्रशेखर			
ए.पी.जे. अब्दुल कलाम			
विक्रम साराभाई			
मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया			
हर गोबिंद खुराना			
टेस्सी थॉमस			
सी.एन.आर. राव			

भारत में प्रौद्योगिकी विकास			
आईटी और कंप्यूटर			
अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी			
नैनो प्रौद्योगिकी			
जैव प्रौद्योगिकी			
रोबोटिक्स			
रक्षा प्रौद्योगिकी			
परमाणु प्रौद्योगिकी			
प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई प्रौद्योगिकी का विकास			
प्रौद्योगिकी हस्तांतरण			
बौद्धिक संपदा			
बौद्धिक संपदा अधिकार की अवधारणा			
बौद्धिक संपदा अधिकारों प्रकार			
भारत में आईपीआर व्यवस्था			
आईपीआर से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय समझौते			
भौगोलिक संकेतक (जी आई)			
पर्यावरण प्रदूषण			
प्रदूषण बनाम विकास			
प्रदूषण को कम करने का प्रयास			
पर्यावरण प्रभाव आकलन			

आपदा और आपदा प्रबंधन			
आपदाओं के प्रकार			
आपदाओं का प्रबंधन			
आपदा प्रबंधन पर सरकारी पहल			
समुदाय स्तर पर आपदा प्रबंधन			
आंतरिक सुरक्षा			
आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौतियां पैदा करने में बाहरी राज्य और गैर-राज्य अभिकर्ताओं की भूमिका।			
उग्रवाद			
उग्रवाद के प्रसार के लिए जिम्मेदार कारक			
नक्सलवाद			
जम्मू और कश्मीर समस्या			
वामपंथी उग्रवाद			
उत्तर पूर्व विप्लव			
भारत में आतंकवाद			
राज्य प्रायोजित आतंकवाद			
आंतरिक सुरक्षा की चुनौती से निपटने के लिए संस्थागत ढांचा			
एन आई ए			
नेट ग्रिड			
मीसा			
यूएपीए			

टाडा			
पोटा			
एनसीटीसी			
संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौतियां			
आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में मीडिया और सोशल नेटवर्किंग साइटों की भूमिका			
सोशल मीडिया के प्रबंधन में चुनौतियां			
सोशल मीडिया के प्रबंधन में सरकार द्वारा उठाए गए कदम			
साइबर सुरक्षा			
साइबर सुरक्षा से जुड़े मूल तथ्य			
भारतीय साइबर सुरक्षा के खतरे			
साइबर सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग			
साइबर सुरक्षा से निपटने के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदम			
साइबर युद्ध			
राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति (2013			
मनी-लॉन्ड्रिंग			
मनी-लॉन्ड्रिंग की अवधारणा, कारण, प्रक्रिया व प्रभाव			
मनी लॉन्ड्रिंग का मुकाबला करने के लिए कदम			
पीएमएलए			
भारत का पड़ोस			
भारत का पड़ोसी देशों के साथ सीमा विवाद			

सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ और उनका प्रबंधन			
देश की सीमाओं पर कार्यरत सुरक्षा बल			
संगठित अपराध			
आतंकवाद और संगठित अपराध में संबंध।			
संगठित अपराध को नियंत्रित करने में चुनौतियाँ			
विभिन्न सुरक्षा बल और एजेंसियाँ और उनका अधिदेश।			
केंद्रीय सशस्त्र बल			
केंद्रीय अर्धसैनिक बल			
सुरक्षा एवं खुफिया एजेंसियाँ - आईबी, रॉ, आदि।			

सामान्य अध्ययन-IV

UPSC मुख्य परीक्षा सामान्य अध्ययन IV या नैतिकता का पेपर प्रश्नों की अत्यधिक व्यक्तिपरक प्रकृति के कारण सबसे गतिशील है। GS 4 पेपर का शीर्षक 'नैतिकता, ईमानदारी और योग्यता' है।

विचारशील प्रश्नों और केस स्टडी के माध्यम से सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी, ईमानदारी और समाज से निपटने में उनके सामने आने वाले संघर्षों से संबंधित मुद्दों के प्रति उनके दृष्टिकोण का इस पेपर में मूल्यांकन किया गया है।

UPSC मुख्य परीक्षा सामान्य अध्ययन IV प्रश्न पत्र की संरचना इस प्रकार है:

- उम्मीदवारों के पास 250 अंकों के GS 4 प्रश्न पत्र को पूरा करने के लिए 3 घंटे हैं।
- कुल 12 प्रश्न हैं जो दो खंडों में विभाजित हैं।
- खंड A में 6 प्रश्न होंगे जिनमें से प्रत्येक में उप-भाग होंगे
- खंड A के लिए शब्द सीमा जिसमें 10 मार्कर प्रश्न हैं, 150 है।
- खंड B में 6 केस स्टडी होंगी जिनमें से प्रत्येक 20 अंकों की होगी।
- जीएस 4 पेपर में केस स्टडीज़ के उत्तर देने की शब्द सीमा 250 है।

1. नैतिकता और मानवीय इंटरफेस

- मानवीय कार्यों में नैतिकता का सार, निर्धारक और परिणाम;
- नैतिकता के आयाम; नैतिकता - निजी और सार्वजनिक संबंधों में।
- मानवीय मूल्य - महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन और शिक्षाओं से सबक;

- मूल्यों को विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका।

2. दृष्टिकोण

- दृष्टिकोण - विषय-वस्तु, संरचना, कार्य;
- इसका प्रभाव और विचार तथा व्यवहार के साथ संबंध
- नैतिक और राजनीतिक दृष्टिकोण
- सामाजिक प्रभाव और अनुनय

3. योग्यता

- सिविल सेवा के लिए योग्यता और आधारभूत मूल्य - ईमानदारी, निष्पक्षता और गैर-पक्षपात, वस्तुनिष्ठता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण
- कमज़ोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता और करुणा।

4. भावनात्मक बुद्धिमत्ता

- ईआई अवधारणाएँ, और प्रशासन और शासन में उनकी उपयोगिताएँ और अनुप्रयोग।

5. नैतिक विचारक

- भारत और दुनिया के नैतिक विचारकों और दार्शनिकों का योगदान।

6. लोक प्रशासन में नैतिकता

- लोक/सिविल सेवा मूल्य और लोक प्रशासन में नैतिकता: स्थिति और समस्याएँ

- सरकारी और निजी संस्थानों में नैतिक चिंताएँ और दुविधाएँ
- नैतिक मार्गदर्शन के स्रोत के रूप में कानून, नियम, विनियम और विवेक
- जवाबदेही और नैतिक शासन, शासन में नैतिक और नैतिक मूल्यों को मजबूत करना
- अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और वित्त पोषण में नैतिक मुद्दे
- कॉर्पोरेट प्रशासन

7. शासन में ईमानदारी

- शासन में ईमानदारी: लोक सेवा की अवधारणा
- शासन और ईमानदारी का दार्शनिक आधार
- सरकार में सूचना साझा करना और पारदर्शिता
- सूचना का अधिकार
- नैतिकता संहिता
- आचार संहिता
- नागरिक चार्टर
- कार्य संस्कृति, सेवा वितरण की गुणवत्ता
- सार्वजनिक धन का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियाँ।

8. उपरोक्त विषयों पर केस स्टडीज़।

मेन्स की तैयारी की रणनीति – योजना और दृष्टिकोण

पाठ्यक्रम की समझ:

- ❖ हर टॉपिक को प्रिंटआउट पर चिह्नित करें कि उस पर आप कितने आत्मविश्वास से 250 शब्द लिख सकते हैं।
- एक Checksheet बनाएं – "GS-1 ⟶ Indian Society ⟶ Women Issues ⟶ 250 words ready?"

पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र:

- Topic-wise प्रश्नों को classify करें। इससे प्रश्नों का ट्रेंड दिखता है: क्या static है, क्या current-based है।

◇ इंटरनेट व डिजिटल टूल्स का अधिकाधिक प्रयोग :

- ❖ लिंक, बुलेट पॉइंट्स, रिपोर्ट्स और editorials को स्टोर और हाइलाइट करें।
- ❖ Science & Tech, Environment, IR के लिए इंटरनेट का उपयोग अनिवार्य है।

◇ करंट अफेयर्स का एकीकरण:

- Daily current affairs को सीधे GS syllabus से जोड़ें।
- एक फ़ोल्डर जैसे "GS2 – Polity – Judiciary" बनाएं और उस विषय से जुड़ी ख़बरों को वहीं जोड़ते रहें।

✍ प्रश्न लेखन और अभ्यास – असली युद्धभूमि

❖ लिखने की आदत डालें

❖ हर दिन 1-2 GS उत्तर लिखें।

❖ शुरुआत में किसी भी टॉपिक पर — बाद में टेस्ट जैसी सूरत में।

◇ टाइम बाउंड लेखन:

❖ 10 मिनट में 150 शब्द, तथा 15 मिनट 250 शब्द लिखने का अभ्यास करें।

- 3 घंटे में 20 उत्तर लिखना आसान नहीं है — लेकिन अभ्यास से पसीना बहाओ ताकि परीक्षा में खून न बहे।

◇ Mock Tests = Real Tests:

❖ अभ्यास के लिए 2-3 full-length mock papers हर हफ्ते अंतिम दो महीनों में देना जरूरी है।

❖ मॉक पेपर को टालना आत्मविश्वास की कमी या पूर्णतावाद का लक्षण है।

🧠 ज्ञान संग्रहण और संकलन – लेकिन नियंत्रित रूप से

❖ विषय पर सतही नहीं, पर्याप्त समझ निर्मित करें

❖ World History या Internal Security में तीन महीने लगाना बेवकूफी है।

❖ Balanced समय आवंटन सबसे जरूरी – breadth over obsessive depth।

◇ नक्शा (Map) एक सुपरवेपन:

- GS1, GS3 में भारत का नक्शा बनाकर उत्तर को instantly elevate किया जा सकता है।
- अभ्यास करें — 1 मिनट में भारत का मानचित्र बनाना और labeling करना।
- Committee Reports / Online PDFs पढ़ने की कला विकसित करें
- 'Highlight' + Notes बनाना सीखें।

दृष्टिकोण – मानसिकता और सोच का संतुलन

- स्रोत की संख्या नहीं, प्रभाव मायने रखता है:
- अगर कोई स्रोत 2% भी नया न जोड़े, उसे हटाइए।
- 'Less is more' इस परीक्षा का सिद्धांत है।

◇ **पूर्णतावाद (Perfectionism) = दुश्मन:**

- मिस्टर परफेक्ट बनाने से बचे
- "Average but complete > Excellent but incomplete" — UPSC यही मांगता है।

◇ **धैर्य + सहनशक्ति:**

- GS Mains एक marathon है।
- मानसिक stamina उतना ही ज़रूरी है जितना कि तथ्यात्मक ज्ञान।

अंतिम सुझाव:

❖ UPSC GS Mains एक ज्ञान की परीक्षा कम, और रणनीति, सहनशक्ति और आत्म-अनुशासन की परीक्षा अधिक है।

❖ हर दिन का Target – "मैंने क्या नया जोड़ा, क्या दोहराया, और क्या लिखा?" इस त्रिकोण के इर्द-गिर्द घूमें।

GS Mains के लिए पुस्तकों की सूची

- **GS Paper 1 पुस्तक सूची व रणनीति**

1. भारतीय कला एवं संस्कृति

पुस्तकें:

❖ कक्षा 11 की NCERT – भारतीय कला का परिचय

❖ कक्षा 6-12 की NCERT (प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत से संबंधित अध्याय)

❖ CCRT वेबसाइट की सामग्री

❖ विरासत शिल्प: भारत की जीवित शिल्प परंपराएँ – NCERT

सुझाव:

❖ शुरुआत में इस खंड को बाद में पढ़ें, जब अन्य विषयों पर पकड़ बन जाए।

❖ उत्तर लिखने में ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की समझ आवश्यक है, इसलिए NCERT कक्षा 11 – प्राचीन भारत अवश्य पढ़ें।

❖ दृश्य व प्रदर्शन कलाओं को YouTube/Google के माध्यम से देखें – याद रखना आसान होगा।

❖ जहाँ संभव हो, सरल स्केच बनाएं (जैसे वारली, नागर शैली, स्तूप आदि)।

❖ बार-बार संशोधन ही सफलता की कुंजी है।

2. आधुनिक भारतीय इतिहास

पुस्तकें:

❖ आधुनिक भारत का संक्षिप्त इतिहास – स्पेक्ट्रम

❖ भारत का स्वतंत्रता संग्राम – बिपिन चंद्र (केवल स्पेक्ट्रम में शामिल न विषय)

सुझाव:

❖ इस खंड में प्रतियोगिता बहुत अधिक है – सभी गंभीर उम्मीदवार इसे अच्छी तरह पढ़ते हैं।

❖ मुख्य तैयारी के बाद, उत्तर लेखन अभ्यास पर ध्यान दें।

3. स्वतंत्रता के बाद का भारत

पुस्तक:

❖ भारत का स्वतंत्रता के बाद का इतिहास – बिपिन चंद्र

सुझाव:

❖ इस खंड को अन्य खंडों की तुलना में हल्के लेकिन ठोस दृष्टिकोण से पढ़ें।

4. विश्व इतिहास

पुस्तक:

❖ World History: Patterns of Interaction – McDougal Littell (Chapter 22–36)

सुझाव:

❖ पढ़ते समय संक्षिप्त नोट्स बनाएं क्योंकि यह पुस्तक भारी है।

❖ UPSC में केवल सीमित विषय पूछे जाते हैं – क्रांति, युद्ध, उपनिवेशवाद आदि।

5. भारतीय समाज

पुस्तकें:

❖ कक्षा 11 और 12 की NCERT – समाजशास्त्र

सुझाव:

❖ उत्तर के लिए आवश्यक सामग्री:

❖ ☑ परिभाषा, ☑ आँकड़े, ☑ सरकारी योजनाएँ व उनकी आलोचना,

❖ ☑ ऐतिहासिक + समकालीन उदाहरण, ☑ प्रभाव, ☑ समाधान

❖ उत्तर बहु-आयामी, संरचित व उपशीर्षकों सहित लिखें।

6. भूगोल (भारतीय व विश्व)

पुस्तकें:

❖ कक्षा 11 और 12 की NCERT (भौतिक, मानव एवं आर्थिक भूगोल)

❖ GC Leong (भौतिक भूगोल के लिए)

❖ एटलस (Oxford या Orient BlackSwan)

सुझाव:

❖ प्रारंभिक परीक्षा के भूगोल की तैयारी का उपयोग मुख्य परीक्षा में भी करें।

❖ उत्तरों में मानचित्र अवश्य बनाएं – इससे उत्तर प्रभावशाली बनता है।

☑ संक्षेप में रणनीति:

❖ NCERT से शुरुआत करें ⟶ बेस तैयार करें

❖ Standard Books पढ़ें ⟶ विषय की गहराई समझें

❖ संक्षिप्त नोट्स बनाएं ⟶ दोहराव के लिए

❖ उत्तर लेखन अभ्यास करें ⟶ संरचना, विश्लेषण और प्रस्तुति सुधारें

GS Paper 2: राजनीति, शासन एवं सामाजिक न्याय

A. स्थिर भाग (Static Portion)

- लक्ष्मीकांत (Indian Polity) – मौलिक संविधान संबंधी तथ्य व धाराओं के लिए मुख्य स्रोत।
- राजनीति विषयक नोट्स – विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण के लिए आवश्यक।
- ARC 2 रिपोर्ट – प्रशासनिक सुधारों हेतु अमूल्य सामग्री;
- केवल सिफारिशें याद रखें (पूरी रिपोर्ट पढ़ना लाभदायक)।

B. समसामयिक स्रोत (Current Affairs Sources)

- The Hindu – विधायी, प्रशासनिक व सामाजिक न्याय से संबंधित खबरें।
- RSTV – The Big Picture – बहस आधारित विश्लेषण।
- Civilsdaily Notes – सारगर्भित समसामयिक विश्लेषण।
- Insights / ForumIAS – अप्रयुक्त विषयों की पूर्ति हेतु वैकल्पिक स्रोत।
- PRS India – नवीनतम विधेयकों, अधिनियमों का संक्षिप्त विश्लेषण।
- AIR – Spotlight – ऑडियो फॉर्म में चर्चा, खाली समय में उपयोगी।

C. उत्तर लेखन के सुझाव (Answer Writing Tips)

- उत्तर की शुरुआत अनुच्छेदों से करें:

❖ जैसे – राज्यपाल (Art. 153), सिविल सेवा (Art. 312)।

❖ तकनीकी शब्दों को परिभाषित करें:

❖ जैसे – संसदीय संप्रभुता, सामाजिक लेखा परीक्षा आदि।

❖ SC के निर्णय उद्धृत करें:

❖ जैसे – श्रेया सिंघल बनाम भारत संघ (धारा 66A, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता)।

❖ विवादित मुद्दों पर संतुलित दृष्टिकोण:

❖ दोनों पक्षों को दर्शाएं। उदाहरण – सिविल सेवा सुधार।

❖ अखबारों की वैचारिक झुकाव से सावधानी:

❖ संतुलित सोच बनाए रखें; आलोचनात्मक दृष्टिकोण जरूरी।

❖ नवीनतम आँकड़े रटें:

❖ जैसे – शिक्षा, महिला, गरीबी, स्वास्थ्य आदि।

❖ लैंसेट, ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल, यूनिसेफ जैसे स्रोतों से प्रमाणित आँकड़े उद्धृत करें।

❖ समापन हमेशा ठोस करें:

❖ किसी आयोग/समिति की सिफारिश जैसे –

❖ पुंछी आयोग (केंद्र-राज्य), विधि आयोग (मृत्युदंड), एनसीआरडब्ल्यूसी (संविधान)।

❖ प्रस्तावना, DPSP, SDG का उल्लेख करें।

GS Paper 2: अंतर्राष्ट्रीय संबंध (IR)

A. स्थिर भाग (Static Portion)

❖ कोई प्रामाणिक पुस्तक जो भारत के द्विपक्षीय व बहुपक्षीय संबंधों के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य को कवर करती हो।

B. समसामयिक स्रोत (Current Affairs)

❖ The Hindu – विदेश नीति व द्विपक्षीय घटनाओं की कवरेज।

❖ RSTV – India's World – वैश्विक मामलों की विश्लेषणात्मक प्रस्तुति।

❖ Civilsdaily / Insights / ForumIAS – मुद्दों के आधार पर चयन।

C. उत्तर लेखन रणनीति

❖ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि समझें:

❖ जैसे – भारत-चीन संबंध: 1914 शिमला समझौता ⟶ डोकलाम।

❖ भारत-श्रीलंका: 1987 समझौता, गृह युद्ध।

❖ द्विपक्षीय संबंधों का बहुआयामी दृष्टिकोण:

❖ रणनीतिक, रक्षा, व्यापार, शिक्षा, संस्कृति, प्रवासी, वैश्विक मंचों पर सहयोग आदि।

❖ प्रासंगिक हो तो नक्शा बनाएँ:

❖ उदाहरण: चाबहार पोर्ट या एक्ट ईस्ट नीति।

◇ प्रवासी व अंतर्राष्ट्रीय संस्थान:

❖ विविध रिपोर्टों, समझौतों, संयुक्त घोषणाओं पर ध्यान दें।

❖ जैसे – UN, WTO, BRICS, QUAD, BIMSTEC, SCO आदि।

☑ GS Paper-3: अध्ययन योजना (संकलन और स्रोतों के अनुसार)

◇ 1. अर्थव्यवस्था (Economy)

📌 स्थिर भाग (Static)

❖ बजट

❖ आर्थिक सर्वेक्षण (सार)

❖ नीति आयोग की 3-वर्षीय कार्य योजना रिपोर्ट

❖ ➤ निष्कर्ष लेखन हेतु उपयोगी नीति-सुझाव

📌 *समसामयिक स्रोत (Current Affairs)*

❖ द हिंदू

❖ Civilsdaily

❖ Insights/ForumIAS (यदि किसी विषय की कवरेज अधूरी लगे)

महत्वपूर्ण उप-विषय

❖ भारतीय कृषि, भूमि सुधार, PDS, खाद्य प्रसंस्करण, LPG, आधारभूत ढांचा

➤ स्रोत: Mrunal.org + करंट अफेयर्स

अध्ययन रणनीति

❖ हर विषय के लिए 250 शब्दों में उत्तर लेखन लायक संक्षिप्त नोट्स बनाएं

❖ करंट अफेयर्स और कोचिंग मैटेरियल के ढेर में न डूबें

❖ नीति आयोग की रिपोर्ट को प्रासंगिक बिंदुओं हेतु संदर्भित करें

2. सुरक्षा (Security)

महत्वपूर्ण विषय

❖ साइबर सुरक्षा, आतंकवाद, मनी लॉन्ड्रिंग, संगठित अपराध, वामपंथी उग्रवाद आदि

➤ परिभाषा स्पष्ट और संक्षिप्त उत्तर तैयार करें

➤ भारत का नक्शा बनाकर सीमावर्ती सुरक्षा समझाएं

स्रोत

- द हिंदू
- Civilsdaily
- इंटरनेट आधारित शोध (समाचारों से जुड़े प्रश्न)

3. आपदा प्रबंधन (Disaster Management)

स्रोत और सामग्री

- CBSE की पुस्तक (मूलभूत पठन)
- NDMA गाइडलाइंस, Sendai Framework आदि
- समाचार और कोचिंग सामग्री

प्रमुख बिंदु

- नदी तटबंध, भूमि क्षेत्रीकरण, जलग्रहण प्रबंधन आदि की आरेखों द्वारा व्याख्या करें
- NDMA की संरचना, कार्य व योजनाओं पर विशेष फोकस रखें

4. पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी (Environment & Ecology)

स्रोत

- Shankar IAS Book
- द हिंदू + Civilsdaily (करंट अफेयर्स आधारित प्रश्नों हेतु)

5. विज्ञान और प्रौद्योगिकी (Science & Tech)

स्रोत

- द हिंदू
- यूट्यूब (अवधारणात्मक समझ के लिए)
- कोचिंग नोट्स – विस्तृत तकनीकी जानकारी हेतु

मुख्य अध्ययन विषय

- AI, Blockchain, Machine Learning, CRISPR, Crypto आदि – समाचारों में रहने वाली तकनीकें
- ISRO (PSLV, GSLV), रक्षा तकनीक, जैव तकनीक, संचार तकनीक (LiFi, 5G आदि)

अध्ययन रणनीति

- विषय की मूल अवधारणा, समाचार में क्यों, उपयोग, जोखिम, भविष्य में उपयोगिता जैसे बिंदुओं पर ध्यान दें

❖ परिभाषा + व्यावहारिक उदाहरण + वर्तमान संदर्भ = आदर्श उत्तर संरचना

☑ अंतिम सुझाव:

❖ हर विषय के लिए एक ही जगह से बार-बार पढ़ने की आदत डालें। कम स्रोत, गहरी समझ और उत्तर लेखन अभ्यास – यही GS-3 में सफलता की कुंजी है।

▨ GS-4 (नैतिकता) की तैयारी के लिए संक्षिप्त मार्गदर्शन

◇ 1. प्रमुख स्रोत और रिपोर्ट

❖ दूसरी ARC रिपोर्ट के निम्न भागों पर विशेष ध्यान दें:

❖ शासन में नैतिकता,

❖ ई-गवर्नेंस,

❖ RTI,

❖ नागरिक-केंद्रित प्रशासन,

❖ कार्मिक प्रशासन।

❖ केवल अनुशंसाएँ याद रखें, पूरी रिपोर्ट पढ़ने की आवश्यकता नहीं।

◇ 2. नैतिक विचारक व सिद्धांत

❖ नैतिक विचारकों को Google पर खोजें।

❖ उनके प्रमुख योगदान, संदर्भ (जैसे कॉर्पोरेट गवर्नेंस) को समझें।

❖ उत्तर में विचारक का नाम + उनके विचार + व्यावहारिक उदाहरण शामिल करें।

◇ 3. उत्तर लेखन रणनीति

❖ प्रत्येक उत्तर में:

- ◇ सरल परिभाषा,
- ◇ वास्तविक जीवन उदाहरण,
- ◇ जहाँ संभव हो, फ्लोचार्ट/डायग्राम प्रयोग करें।

❖ प्रश्नों को अवसर की तरह लें – अपने नैतिक मूल्यों को उजागर करने का मौका।

❖ अपने बचपन, स्कूली जीवन, कॉलेज या नौकरी के अनुभवों से सरल और स्पष्ट उदाहरण दें।

❖ महान नेताओं (जैसे गांधी, कलाम) के जीवन से भी उद्धरण दे सकते हैं।

◇ 4. केस स्टडी लेखन की कला

❖ उद्देश्य: व्यावहारिक, यथार्थवादी और संतुलित समाधान देना।

❖ मूल्य आधारित विश्लेषण, सभी पक्षों पर विचार, फिर स्पष्ट निष्कर्ष दें।

❖ ☑ पेपर हर हाल में पूरा करें – अधूरा नहीं छोड़ें।

5. समय प्रबंधन की रणनीति

- GS-4 में 14 प्रश्न होते हैं लेकिन:
- सेक्शन A के प्रश्नों में कई उपप्रश्न होते हैं,
- इस कारण लिखने का कार्यभार सबसे अधिक होता है।

समय संतुलन हेतु:

- हर घंटे में कम से कम 80 अंक के प्रश्न पूरे करने का लक्ष्य रखें।
- चाहे A सेक्शन से शुरू करें या B से।

6. मानसिक तैयारी और सहनशक्ति

- GS-4 से पहले आप 3 भारी पेपर लिख चुके होंगे – शारीरिक और मानसिक थकान चरम पर होगी।
- ऐसे में:
- मानसिक रूप से मजबूत बने रहें,
- अपने मन को शक्ति बनाएं, बाधा नहीं,
- लगातार 3 घंटे की लिखाई क्षमता विकसित करें।

☑ निष्कर्ष:

❖ GS-4 केवल एक "नैतिकता का पेपर" नहीं है – यह आपकी सोच, मूल्य, और जीवन दृष्टिकोण का प्रतिबिंब है। इसे केवल पढ़ने से नहीं, सोचने और अभ्यास करने से ही सफलता मिलेगी।

यूपीएससी मुख्य परीक्षा के लिए पुस्तकों की सूची

- **इतिहास**

❖ आरएस शर्मा द्वारा प्राचीन भारत

❖ बिपन चंद्र द्वारा स्वतंत्रता के बाद का भारत

❖ सतीश चंद्र द्वारा मध्यकालीन भारत का इतिहास

❖ नितिन सिंघानिया द्वारा भारतीय कला और संस्कृति

❖ बिपन चंद्र द्वारा स्वतंत्रता के लिए भारत का संघर्ष

- **भूगोल**

❖ माजिद हुसैन द्वारा भारत का भूगोल

❖ विश्व एटलस (ओरिएंट ब्लैक स्वान) प्रमाणपत्र

❖ जी सी लिओंग द्वारा भौतिक और मानव भूगोल

❖ माजिद हुसैन द्वारा विश्व भूगोल

❖ भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत एनसीईआरटी कक्षा 11

- **राजनीति और अंतर्राष्ट्रीय संबंध**

❖ डीडी बसु द्वारा भारत के संविधान का परिचय

❖ एम. लक्ष्मीकांत द्वारा भारतीय राजनीति

❖ अंतर्राष्ट्रीय संबंध: पुष्पेश पंत

- **अर्थव्यवस्था**

❖ टाटा मैकग्रा हिल द्वारा पर्यावरण और आपदा प्रबंधन

❖ भारतीय अर्थव्यवस्था – नितिन सिंघानिया

❖ अशोक कुमार द्वारा भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौतियाँ

- **नैतिकता**

❖ सुब्बा राव और पी.एन. रॉय चौधरी द्वारा सिविल सेवा मुख्य परीक्षा के लिए नैतिकता, अखंडता और योग्यता

❖ हल किए गए प्रश्नपत्र

❖ सामान्य अध्ययन प्रारंभिक हल किए गए प्रश्नपत्र – विशाल प्रकाशन

महत्वपूर्ण उद्धरण जिनका उत्तर में उपयोग किया जा सकता है

- **विषय: शिक्षा**

❖ "शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयोग आप दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं।" नेल्सन मंडेला

❖ "ऐसे जियो जैसे कि तुम कल मरने वाले हो। ऐसे सीखो जैसे कि तुम हमेशा के लिए जीने वाले हो।" महात्मा गांधी

❖ "बच्चों को यह सिखाया जाना चाहिए कि कैसे सोचना है, न कि क्या सोचना है।" मार्गरेट मीड

- "शिक्षा वह है जो स्कूल में सीखी गई बातों को भूल जाने के बाद भी बची रहती है।" - आइंस्टीन
- "किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसे मन में रखना शिक्षित मन की निशानी है।" अरस्तू
- बुद्धिमत्ता और चरित्र - यही सच्ची शिक्षा का लक्ष्य है।
- शिक्षा दुख से आशा की ओर जाने वाला पुल है
- "शिक्षा मनुष्य में पहले से ही मौजूद पूर्णता की अभिव्यक्ति है।" स्वामी विवेकानंद
- जो शिक्षा चरित्र को नहीं ढालती वह बिल्कुल बेकार है। – महात्मा गांधी
- किसी व्यक्ति को नैतिकता के बजाय मन से शिक्षित करना समाज के लिए खतरा पैदा करना है- थियोडोर रूजवेल्ट
- शिक्षा का उद्देश्य युवाओं को जीवन भर खुद को शिक्षित करने के लिए तैयार करना है।
- "दिल को शिक्षित किए बिना दिमाग को शिक्षित करना कोई शिक्षा नहीं है।" – मार्टिन लूथर किंग
- "आप एक आदमी को शिक्षित करते हैं; आप एक आदमी को शिक्षित करते हैं। आप एक महिला को शिक्षित करते हैं; आप एक पीढ़ी को शिक्षित करते हैं।" – ब्रिघम यंग

- **विषय: विज्ञान और धर्म**

- "सभी सोचने वाले लोग नास्तिक हैं।" अर्नेस्ट हेमिंग्वे
- "यह धारणा कि विज्ञान और आध्यात्मिकता किसी तरह परस्पर अनन्य हैं, दोनों के लिए बुरा है।" कार्ल सागन
- "धर्म के बिना विज्ञान लंगड़ा है और विज्ञान के बिना धर्म अंधा है" आइंस्टीन
- "जो बिना सबूत के कहा जा सकता है, उसे बिना सबूत के खारिज भी किया जा सकता है।"- क्रिस्टोफर हिचेन्स

- "हमारी वैज्ञानिक शक्ति हमारी आध्यात्मिक शक्ति से आगे निकल गई है। हमारे पास निर्देशित मिसाइलें और गुमराह लोग हैं।" - मार्टिन लूथर किंग

- **विषय: लोकतंत्र**

- "लोकतंत्र के खिलाफ सबसे अच्छा तर्क औसत मतदाता के साथ पाँच मिनट की बातचीत है।" चर्चिल

- "कुलीनतंत्र में राजकुमार का अत्याचार लोक कल्याण के लिए उतना खतरनाक नहीं है जितना लोकतंत्र में नागरिक की उदासीनता" मोंटेस्क्यू

- "मतपत्र गोली से अधिक शक्तिशाली है।" अब्राहम लिंकन

- "दैनिक नागरिकता के बिना दैनिक लोकतंत्र नहीं हो सकता।" राल्फ नादर

- "मैं लोकतंत्र को ऐसी चीज के रूप में समझता हूँ जो कमजोर को मजबूत के समान अवसर प्रदान करती है।" महात्मा गांधी

- "लोकतंत्र बहुमत का कानून नहीं है बल्कि अल्पसंख्यक की सुरक्षा है।" अल्बर्ट कैमस

- "लोकतंत्र में, व्यक्ति न केवल अंतिम शक्ति का आनंद लेता है, बल्कि अंतिम जिम्मेदारी भी वहन करता है।" नॉर्मन कजिन्स

- सरकार शासितों के हितों के लिए होती है, राज्यपालों के लिए नहीं।" -- थॉमस जेफरसन

- "सार्वजनिक मामलों के प्रति उदासीनता के लिए अच्छे लोगों को जो कीमत चुकानी पड़ती है, वह है बुरे लोगों द्वारा शासित होना।"- प्लेटो

- **विषय: भौतिकवाद/उपभोक्तावाद/पर्यावरण**

- पृथ्वी हमारी नहीं है: हम पृथ्वी के हैं

- "दुनिया में हर किसी की ज़रूरत के लिए पर्याप्त है, लेकिन हर किसी के लालच के लिए पर्याप्त नहीं है।" - महात्मा गांधी
- पानी और हवा, दो आवश्यक तरल पदार्थ जिन पर सारा जीवन निर्भर करता है, वैश्विक कचरा पात्र बन गए हैं
- हमें पृथ्वी अपने पूर्वजों से विरासत में नहीं मिली है, हम इसे अपने बच्चों से उधार लेते हैं।
- जब तक कुआँ सूख नहीं जाता, तब तक हमें पानी की कीमत का पता नहीं चलता।

विषय: शांति/न्याय

- "जब प्रेम की शक्ति शक्ति के प्रेम पर विजय प्राप्त कर लेगी, तब दुनिया शांति को जान जाएगी।"- विलियम ग्लैडस्टोन
- "शांति और न्याय एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।" आइजनहावर
- "गरीबी हिंसा का सबसे बुरा रूप है।" महात्मा गांधी
- हर बंदूक जो बनाई जाती है, हर युद्धपोत जो लॉन्च किया जाता है, हर रॉकेट जो दागा जाता है, अंतिम अर्थ में, उन लोगों से चोरी का प्रतीक है जो भूखे हैं और उन्हें खाना नहीं मिलता, जो ठंडे हैं और उन्हें कपड़े नहीं मिलते - आइजनहावर
- मानवता की महानता मानव होने में नहीं, बल्कि मानवीय होने में है।"
- "कभी भी कोई बुरी शांति या अच्छा युद्ध नहीं हुआ।"
- "कहीं भी अन्याय हर जगह न्याय के लिए खतरा है।"
- युद्ध यह तय नहीं करता कि कौन सही है, बल्कि यह तय करता है कि कौन बचा है।"
- नैतिक ब्रह्मांड का चाप लंबा है, लेकिन यह न्याय की ओर झुकता है।" - मार्टिन लूथर किंग जूनियर
- लोका समस्ता सुखिनो भवन्तु (पूरा विश्व समृद्ध और शांतिपूर्ण हो)

- **विषय: न्यायपालिका**

- यथो धर्म यथा जयः जहाँ न्याय है, वहाँ विजय है। निबंध विषय: भ्रष्टाचार
- मनुष्य होने के नाते, हमारी महानता दुनिया को फिर से बनाने में नहीं बल्कि खुद को फिर से बनाने में निहित है - महात्मा गांधी
- कन्फ्यूशियस - धार्मिकता शांति और सुशासन की आधारशिला है।
- बुद्ध - धर्म सुशासन की आधारशिला है
- आज दुनिया में सबसे खराब बीमारी भ्रष्टाचार है। और इसका इलाज है: पारदर्शिता
- लगभग सभी लोग प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना कर सकते हैं, लेकिन अगर आप किसी व्यक्ति के चरित्र का परीक्षण करना चाहते हैं, तो उसे शक्ति दें।

- **विषय: जाति**

- जाति व्यवस्था वेदांत धर्म का विरोधी है। जाति एक सामाजिक प्रथा है, और हमारे सभी महान प्रचारकों ने इसे तोड़ने का प्रयास किया है। -स्वामी विवेकानंद

- **वाक्यांश**

- सर्वे भवन्तु सुखिना (सभी खुश रहें)। सर्वे सन्तु निरामया (सभी रोग रहित हों) सर्वे भद्राणि पश्यन्तु (सभी का कल्याण हो)। माँ कश्चित् दुःख भाग भवेत् (किसी को किसी भी प्रकार का दुःख न हो)
- वसुधैव कुटुंबकम (पूरा विश्व एक परिवार है)
- (असतो मा सद्गमय) अधर्म से धर्म की ओर। (तमसो मा ज्योतिर्गमय) अंधकार से प्रकाश की ओर। (मृत्योर्मा अमृतगमय) नश्वरता से अमरत्व की ओर।

- सर्व धर्म सम भाव - [रामकृष्ण परमहंस और विवेकानन्द]
- सभी धर्म समान हैं। - महात्मा गांधी द्वारा 1930 में हरिजन में पहली बार इस्तेमाल किया गया
- सेवा परमो धर्म। (हमारे भारतीय लोकाचार में सेवा परम कर्तव्य है)
- सत्यमेव जयते
- अहिंसा परमो धर्म

- **महात्मा गांधी के उद्धरण**

- "खुद को खोजने का सबसे अच्छा तरीका है दूसरों की सेवा में खुद को खो देना।"
- "खुशी तब होती है जब आप जो सोचते हैं, जो कहते हैं और जो करते हैं, सबमें सामंजस्य होता है।"
- "आंख के बदले आंख की नीति पूरी दुनिया को अंधा बना देती है।"
- "पहले वे आपको अनदेखा करते हैं, फिर वे आप पर हंसते हैं, फिर वे आपसे लड़ते हैं, फिर आप जीत जाते हैं"
- "संतुष्टि प्रयास में निहित है, प्राप्ति में नहीं। पूरा प्रयास ही पूर्ण विजय है।"
- "शक्ति शारीरिक क्षमता से नहीं आती। यह अदम्य इच्छाशक्ति से आती है।"
- "अच्छा आदमी सभी जीवित चीजों का मित्र होता है।"
- "असहिष्णुता अपने आप में हिंसा का एक रूप है और एक सच्ची लोकतांत्रिक भावना के विकास में बाधा है।"
- "किसी राष्ट्र की महानता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उसके जानवरों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है।"
- "हिंसक साधन हिंसक स्वतंत्रता प्रदान करेंगे।"

- "न्यायालय से भी उच्चतर न्यायालय हैं और वह है विवेक।"
- "किसी चीज़ पर विश्वास करना और उसे न जीना बेईमानी है।"
- "मनुष्य अपने विचारों का उत्पाद मात्र है। वह जो सोचता है, वही बन जाता है।"

- **विषय: भूख**

- भूख वास्तव में सामूहिक विनाश का सबसे बुरा हथियार है। यह हर साल लाखों लोगों को अपना शिकार बनाती है।"
- "दुनिया में ऐसे लोग हैं, जो इतने भूखे हैं कि भगवान उन्हें रोटी के अलावा किसी और रूप में नहीं दिख सकते।"
- विषय: गोपनीयता
- "जो लोग थोड़ी सी अस्थायी सुरक्षा पाने के लिए आवश्यक स्वतंत्रता को त्याग सकते हैं, वे न तो स्वतंत्रता के लायक हैं और न ही सुरक्षा के।"

प्रमुख विषय

- स्वास्थ्य
- शिक्षा/उच्च शिक्षा/उच्च शिक्षा में विदेशी विश्वविद्यालय
- लोकतंत्र
- मीडिया
- धर्म
- न्यायपालिका
- सोशल मीडिया

- पर्यटन
- महिला सशक्तिकरण/लिंग पूर्वाग्रह
- आपदा प्रबंधन
- पर्यावरण/ सतत विकास
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी
- नवाचार
- गरीबी/भूख/खाद्य सुरक्षा
- जल सुरक्षा
- संविधान
- संघवाद
- राजनीतिक/चुनावी सुधार/लोकतंत्र - एडीआर सांख्यिकी
- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
- गोपनीयता/निगरानी
- परमाणु ऊर्जा/ परमाणु शक्ति/निरस्त्रीकरण
- आतंकवाद/एलडब्ल्यूई/आंतरिक सुरक्षा/साइबर सुरक्षा
- मानव संसाधन-रोजगार
- मानव विकास
- संयुक्त राष्ट्र

- ई-गवर्नेंस
- विदेश नीति
- शहरीकरण
- वैश्वीकरण
- सांप्रदायिकता/धर्मनिरपेक्षता
- समाज/विविधता
- विकास
- नैतिकता/मूल्य/नैतिकता
- नौकरशाही/सिविल सेवा
- भ्रष्टाचार
- मृत्युदंड
- स्वच्छ भारत
- आत्मनिर्भर भारत
- ऑपरेशन सिंदूर के परिणाम
- भारत पाक संबंध

Rudra's IAS

Tips for the Interview

1. साक्षात्कार का सार – यह 'प्रस्तुति' नहीं, 'व्यक्तित्व' की परीक्षा है

❖ बाहरी चीज़ों पर कम ध्यान दें: पहनावे, रंग, चाल-ढाल का औपचारिक मानक पर्याप्त है।

❖ उत्तर ही आपकी पहचान हैं: उत्तरों में झलकने वाला आपका तर्क, मूल्य, स्थानीय अनुभव और विवेक ही इंटरव्यू की असली 'कॉपी' है।

❖ प्रश्न = अवसर: हर प्रश्न को *"आप कौन हैं?"* का उत्तर देने का एक मौका मानिए।

❖ 📌 *EXAMPLE:* छोटे राज्यों के समर्थन में व्यक्तिगत अनुभव बताकर उत्तर को जीवंत बनाना — यह सटीक इंटरव्यू कौशल है।

🎭 2. आत्मविश्वास और मानसिकता

❖ DAF (Detailed Application Form) में लिखा हर शब्द सच हो और तैयार हो: अपनी पृष्ठभूमि, उम्र, कॉलेज, भाषा आदि को लेकर कोई असुरक्षा न पालें।

❖ बोर्ड का रवैया चाहे जैसा हो – संतुलन बनाए रखें।

❖ 'मुझे नहीं पता' कहने में झिझक न करें, लेकिन वह DAF से जुड़ा न हो।

❖ 📌 *याद रखें:* बोर्ड को आपसे संपूर्णता नहीं, सत्यनिष्ठा और सच्ची जिज्ञासा चाहिए।

🧘 3. मानसिक स्पष्टता और आत्म-नियंत्रण

- प्रश्न को धैर्य से सुनें, उत्तर सोचकर दें।

- सीधे, सरल और संक्षिप्त भाषा का प्रयोग करें।
- Interview में GS के भारी-भरकम शब्दजाल का उपयोग उल्टा प्रभाव डाल सकता है।

📌 *EXAMPLE:* "सहभागी दृष्टिकोण" या "नैरेटिव रिपेयर" जैसे शब्दों के बजाय — स्पष्ट, ज़मीनी उपाय बताएं।

4. संवाद की कला और चर्चा को दिशा देना

- सवालों को 'अपना मोमेंट' बनाने का मौका समझें।
- जब अवसर मिले, अपने अनुभव, दृष्टिकोण और सिद्धांतों को सहजता से उत्तरों में पिरोएं।
- DAF आधारित प्रश्नों का 'बैंक' बनाएं और लगातार अभ्यास करें।

📌 EXAMPLE: "अच्छे नेता के गुण?" — इस पर अपने अनुभव से उत्तर देना, बायो-डेटा को जीवंत बना देता है।

5. उत्तरों की गुणवत्ता – संतुलित, ईमानदार और दिशा देने वाले

- उत्तर में राय पहले दें, कारण बाद में।
- बैलेंस्ड स्टैंड लें – खासकर विवादास्पद विषयों पर।
- यह साबित करें कि आप न तो भावनात्मक रूप से बहकते हैं और न ही निष्क्रिय रहते हैं।
- 📌 EXAMPLE: "आधार बनाम गोपनीयता" ⟶ "यह शून्य-योग नहीं है..." ⟶ यही एक भावनात्मक संतुलन की मिसाल है।

6. व्यवहारिक तैयारी – कैसे आगे बढ़ें

- मॉक इंटरव्यू की उपयोगिता: हर मॉक को एक प्रयोगशाला मानें।
- Feedback = दिशा, न नियम।
- एक रणनीति बनाएं कि आप क्या बताना चाहते हैं — और चर्चा को धीरे-धीरे उस दिशा में ले जाएँ।

7. अंतिम निष्कर्ष – इंटरव्यू क्या है?

- यह आपके ज्ञान, दृष्टिकोण, सोचने की शैली, मूल्यों, और संप्रेषण क्षमता का मूल्यांकन है। यह आपको एक योग्य, उत्तरदायी और संवेदनशील लोकसेवक के रूप में देखना चाहता है, न कि एक एन्क्लोपीडिया के रूप में।

नोट्स और पठन सामग्री

- **इन नोट्स को देखें और अपने प्रोफ़ाइल के अनुसार प्रश्नों को कस्टमाइज़ करें।**
- 1. गृह राज्य और गृह जिला
- 2. स्नातक (विषय)
- 3. कॉलेज
- 4. शौक
- 5. नेतृत्व की स्थिति
- 6. कार्य अनुभव
- 7. अभिनव समाधान
- 8. आपकी प्रोफ़ाइल से सबसे संभावित प्रश्नों का संकलन

❖ 9. वैकल्पिक विषय

महत्वपूर्ण इंटरव्यू प्रश्नों के लिए सरल, स्पष्ट लेकिन प्रभावशाली (high-impact) उत्तर

नीचे कुछ **महत्वपूर्ण इंटरव्यू प्रश्नों** के लिए **सरल, स्पष्ट लेकिन प्रभावशाली (high-impact) उत्तरों** के उदाहरण दिए गए हैं। ये उत्तर आपको **संप्रेषण**, **संवेदनशीलता**, और **तर्कशीलता** तीनों में सशक्त दिखा सकते हैं।

☑ 1. आप सिविल सेवा में क्यों आना चाहते हैं?

उत्तर (सरल लेकिन प्रभावी):

"सर/मैडम, मैंने देखा है कि सरकारी अधिकारी छोटे-छोटे फैसलों से भी लोगों की ज़िंदगी में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। मेरे कस्बे में एक ईमानदार एसडीएम ने स्कूलों में शिक्षकों की नियमितता, सड़क की मरम्मत और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करके लोगों का भरोसा जीता था। तभी मुझे महसूस हुआ कि अगर सही इरादे वाला व्यक्ति प्रशासन में हो, तो बदलाव संभव है। मैं उसी बदलाव का हिस्सा बनना चाहता हूँ।"

☑ 2. एक अच्छे नेता में क्या गुण होने चाहिए?

उत्तर:

"सर, एक अच्छे नेता में सबसे ज़रूरी बात होती है – *निर्णय लेने की क्षमता और जवाबदेही*। वह दूसरों की बात सुन सके, सही फैसले ले सके और परिणामों के लिए खुद को ज़िम्मेदार माने। साथ ही, उसमें *नैतिकता*, *दृढ़ता* और *सभी को साथ लेकर चलने* का गुण भी होना चाहिए।"

☑ 3. भारत की सबसे बड़ी सामाजिक चुनौती क्या है?

उत्तर:

"मैडम, मेरी नजर में *असमानता* – चाहे वह आर्थिक हो, लैंगिक हो या शैक्षणिक – भारत की सबसे बड़ी सामाजिक चुनौती है। जब तक सभी को बराबरी का अवसर नहीं मिलेगा, तब तक असली विकास संभव नहीं है। इस चुनौती से निपटने के लिए शिक्षा, पोषण, और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देना होगा।"

☑ 4. आधार और गोपनीयता विवाद पर आपकी क्या राय है?

उत्तर:

"सर, मैं मानता हूँ कि आधार से बहुत से लाभ हुए हैं – सब्सिडी सीधी मिलने लगी है, नकली लाभार्थी हटे हैं। लेकिन साथ ही, हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि नागरिकों की व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रहे। हमें *संतुलन* बनाना होगा – सुविधा भी मिले और गोपनीयता भी बनी रहे।"

☑ 5. क्या आरक्षण अब भी ज़रूरी है?

उत्तर:

"मैडम, समाज में अब भी ऐसे वर्ग हैं जिन्हें बराबरी का मंच नहीं मिला है। आरक्षण उन्हें आगे बढ़ने का मौका देता है। लेकिन साथ ही, हमें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि इसका लाभ वास्तव में ज़रूरतमंदों तक पहुँचे। आरक्षण के साथ-साथ हमें *शिक्षा और अवसरों की समानता* पर भी ज़ोर देना चाहिए।"

☑ 6. आप किस चीज़ से प्रेरित होते हैं?

उत्तर:

"सर, मैं उन लोगों से प्रेरित होता हूँ जो *खामोशी से काम करते हैं और समाज में बदलाव लाते हैं*। जैसे – एक स्कूल शिक्षक जो हर दिन बच्चों को बेहतर बनाता है या एक डॉक्टर जो सुदूर गाँवों में जाकर सेवा करता है। ये लोग मुझे बताते हैं कि सेवा का मतलब क्या होता है।"

☑ 7. अगर आप चयनित नहीं होते तो क्या करेंगे?

उत्तर:

"मैडम, मेरा लक्ष्य सिविल सेवा के ज़रिए समाज की सेवा करना है। अगर चयन नहीं हुआ, तो भी मैं इस दिशा में काम करता रहूँगा – चाहे वह शिक्षा, स्वास्थ्य या किसी NGO के माध्यम से हो। मुझे विश्वास है कि सेवा करने के कई रास्ते होते हैं।"

☑ 8. "ईमानदारी और दक्षता" में से कौन ज़्यादा ज़रूरी है?

उत्तर:

"सर, दोनों ज़रूरी हैं। लेकिन अगर मुझे चुनना हो, तो मैं कहूँगा *ईमानदारी पहले* – क्योंकि एक ईमानदार व्यक्ति में सीखने और सुधारने की नीयत होती है। एक दक्ष लेकिन बेईमान अधिकारी ज़्यादा नुकसान कर सकता है।"

☑ 9. क्या भारत को प्रेस की पूरी स्वतंत्रता होनी चाहिए?

उत्तर:

"मैडम, प्रेस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, और उसकी स्वतंत्रता ज़रूरी है। लेकिन वह जिम्मेदारी के साथ आनी चाहिए। अफवाहें फैलाना या समाज को बांटना – ये प्रेस की स्वतंत्रता नहीं है। *स्वतंत्रता के साथ उत्तरदायित्व* जरूरी है।"

☑ 10. आपका कोई ऐसा अनुभव, जिससे आपने कुछ सीखा हो?

उत्तर:

"सर, मैंने एक बार एक छोटे समूह को किसी सामाजिक प्रोजेक्ट में लीड किया। शुरुआत में, मैंने सब खुद करने की कोशिश की, जिससे काम बिगड़ गया। बाद में मैंने सबको जिम्मेदारी दी और विश्वास किया। तब जाकर काम बेहतर हुआ। मुझे एहसास हुआ कि *असली नेतृत्व अकेले करना नहीं, साथ लेकर चलना होता है।*"

DAF आधारित प्रश्नों के उत्तर

DAF आधारित उत्तरों का आशय होता है – **Detailed Application Form (DAF)** के आधार पर लिखे गए उत्तर। UPSC के इंटरव्यू (Personality Test) में अधिकतर प्रश्न उम्मीदवार के DAF से ही पूछे जाते हैं। यहां कुछ DAF आधारित उत्तरों के उदाहरण दिए जा रहे हैं, जो विभिन्न श्रेणियों जैसे कि नाम, शैक्षणिक पृष्ठभूमि, रुचियाँ, कार्य अनुभव आदि पर आधारित हैं:

📌 1. नाम पर आधारित प्रश्न

Q: आपके नाम का क्या अर्थ है?

Ans:

मेरा नाम *चंद्र मौलि* है। "चंद्र" का अर्थ है "चंद्रमा" और "मौलि" का अर्थ है "मस्तक"। यह शिव जी का एक नाम है – "चंद्रमौलि", जिसका तात्पर्य है वह देवता जिनके मस्तक पर चंद्रमा शोभायमान है। मेरे माता-पिता ने यह नाम धार्मिक श्रद्धा और भावनात्मक लगाव के आधार पर रखा।

📌 2. जन्मस्थान पर आधारित प्रश्न

Q: आप जबलपुर से हैं, तो यह शहर क्यों प्रसिद्ध है?

Ans:

जबलपुर मध्य प्रदेश का एक प्रमुख शहर है। यह नर्मदा नदी के किनारे बसा है और भेड़ाघाट के संगमरमर की चट्टानों, धुआँधार जलप्रपात और मदन महल किले के लिए प्रसिद्ध है। साथ ही यह शहर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट और सेना की छावनी के कारण प्रशासनिक और सैन्य दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

📌 3. शैक्षणिक विषय पर आधारित प्रश्न

Q: आपने इतिहास में स्नातक किया है, तो बताइए कि औपनिवेशिक भारत में 'न्याय व्यवस्था' का स्वरूप क्या था?

Ans:

औपनिवेशिक भारत में न्याय व्यवस्था ब्रिटिश कानूनों पर आधारित थी। पहले ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने प्रशासनिक क्षेत्र में अलग-अलग चार्टर बनाए, बाद में 1861 के इंडियन काउंसिल्स एक्ट तथा 1862 में उच्च न्यायालयों की स्थापना से केंद्रीकृत न्यायिक व्यवस्था की शुरुआत हुई। अंग्रेजों ने भारतीयों को न्यूनतम प्रतिनिधित्व देते हुए न्यायिक प्रक्रिया में धीरे-धीरे भागीदारी दी।

📌 4. हॉबी पर आधारित प्रश्न

Q: आपकी रुचि 'कविता लेखन' में है। क्या आप अपनी कोई कविता सुना सकते हैं या यह बताएं कि लेखन आपको कैसे प्रभावित करता है?

Ans:

जी, कविता लेखन मेरे लिए आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम है। जब भावनाएँ शब्दों में ढलती हैं, तो एक रचना जन्म लेती है। लेखन से मुझे संवेदनशीलता, गहराई और अभिव्यक्ति की स्पष्टता मिलती है।

(कविता उदाहरण)

"चलो फिर से वही सवेरा उगाएं,

जहां उम्मीदों के सूरज हों और

हर दिल में भरोसे की रोशनी छाए।"

📌 5. सेवा-प्राथमिकता पर आधारित प्रश्न

Q: आपने IAS को अपनी पहली वरीयता क्यों दी?

Ans:

मैंने IAS को पहली वरीयता इसलिए दी क्योंकि यह सेवा मुझे नीति-निर्माण और क्रियान्वयन दोनों स्तरों पर काम करने का अवसर देती है। साथ ही यह सेवा समाज के वंचित वर्ग तक सीधा प्रभाव पहुँचाने, शासन की गुणवत्ता सुधारने और परिवर्तन लाने की व्यापक संभावनाएँ देती है।

📌 6. कार्यानुभव पर आधारित प्रश्न

Q: आप पहले एक सॉफ्टवेयर कंपनी में कार्यरत थे, फिर UPSC की तैयारी की ओर क्यों आए?

Ans:

हालांकि आईटी क्षेत्र में मेरा अनुभव तकनीकी रूप से समृद्ध था, लेकिन मुझे महसूस हुआ कि मेरी रुचि और उद्देश्य समाज के व्यापक हित में योगदान देने में है। UPSC के माध्यम से मुझे प्रशासनिक जिम्मेदारी और सामाजिक बदलाव की दिशा में कार्य करने का बेहतर मंच दिखा।

📌 7. N.C.C., खेल, संगीत आदि पर आधारित प्रश्न

Q: आपने NCC में 'B' प्रमाण पत्र प्राप्त किया है, इससे क्या सीखा?

Ans:

NCC के माध्यम से मैंने अनुशासन, टीमवर्क, नेतृत्व और सेवा-भावना को सीखा। कैंप्स और ड्रिल ने मुझे मानसिक और शारीरिक रूप से अधिक सशक्त बनाया, जो प्रशासनिक जीवन में उपयोगी गुण हैं।